मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 336
सोमवार, 30 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों को हमेशा याद किया जाना चाहिएः प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 29 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपातकाल के दौरान लोगों पर अत्याचार को लेकर तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर निशाना साधने के लिए रविवार को अपने मासिक रेडियो प्रसारण कार्यक्रम में आपातकाल का विरोध करने वाले प्रमुख नेताओं की टिप्पणियां सुनाईं और कहा कि इन्हें हमेशा याद रखा जाना चाहिए क्योंकि ये लोगों को संविधान को मजबूत रखने के लिए सतर्क रहने की प्रेरणा देता है।

मोदी ने अपने मन की बात बात रेडियो प्रसारण में कहा कि जिन लोगों ने आपातकाल लगाया, उन्होंने ना सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाए रखने का था।

मोदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पार्टी का नाम लिए बिना आपातकाल के दौर की ज्यादतियों के लिए कांग्रेस की निंदा की। आपातकाल को लेकर केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी कांग्रेस के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। कांग्रेस का कहना है कि मोदी सरकार के तहत अघोषित आपातकाल कायम है।

मोदी ने कहा कि 1975 से 1977 के बीच 21 महीने की अवधि के लिए आपातकाल के

दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया था। उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने उस अवधि से संबंधित पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई और अटल बिहारी वाजपेयी तथा पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम के भाषणों के अंश सुनाए।

उन्होंने कहा कि जॉर्ज फर्नांडिस साहब को बेड़ियों में जकड़ा गया था और याद किया कि उस समय आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (मीसा) के तहत किसी को भी गिरफ्तार किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि छात्रों को परेशान किया गया और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंटा गया।

उन्होंने कहा कि उस दौर में हजारों लोग गिरफ्तार किए गए, उन पर अमानवीय अत्याचार हुए, लेकिन ये भारत की जनता का सामर्थ्य है कि वो झुकी नहीं, टूटी नहीं और लोकतंत्र के साथ कोई समझौता उसने स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि आखिरकार, जनता-जनार्दन की जीत हुई - आपातकाल हटा लिया गया और आपातकाल थोपने वाले हार गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपातकाल की 50वीं बरसी को हाल में संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया गया और इसके खिलाफ लड़ने वालों को हमेशा याद रख जाना चाहिए।

पाइपलाइन खुदाई कार्य के दौरान मिट्टी धंसने से दो व्यक्तियों की मौत, पांच के दबे होने की आशंका

भरतपुर, 29 जून। राजस्थान के भरतपुर में रविवार सुबह पाइपलाइन खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य के दबे होने की आशंका है। यह जानकारी पुलिस ने दी।

पुलिस ने बताया कि अधिकारियों के मुताबिक, जंगी का नगला गांव के पास पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदे गए 10 फुट गहरे गड्ढे को कुछ मजदूर भर रहे थे, तभी मिट्टी धंस गई, जिसके चलते 12 मजदूर मिट्टी के नीचे दब गए।

पुलिस ने कहा कि चीख-पुकार सुनकर अन्य मजदूरों और परियोजना कर्मचारियों ने बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन मिट्टी की गहराई और भारीपन के कारण तत्काल प्रयास मुश्किल हो गए।

सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और आपदा प्रबंधन दल मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने कहा कि बचाव दल ने मिट्टी हटाने और फंसे मजदूरों को निकालने के लिए अर्थमूविंग मशीन का इस्तेमाल किया। पुलिस ने कहा कि बचाव दल सात मजदूरों को बाहर निकालने में सफल रहा, जिनमें से दो अंकुल (22) और विमला देवी (45) की मौत हो गई।

पुरी मंदिर भगदड़ के लिए भगवान जगन्नाथ के भक्तों से क्षमा मांगता हूं: मोहन चरण माझी

ओडिशा, 29 जून। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को पुरी में एक मंदिर के पास भगदड़ के लिए भगवान जगन्नाथ के भक्तों से क्षमा मांगी। इस घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है।

अधिकारियों ने बताया कि रविवार तड़के श्री गुंडिचा मंदिर के पास हुई भगदड़ में करीब 50 अन्य लोग घायल भी हुए हैं। माझी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, मैं और मेरी सरकार सभी जगन्नाथ भक्तों से क्षमा मांगते हैं। हम भगदड़ में अपनी जान गंवाई वाले श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं... महाप्रभु जगन्नाथ से प्रार्थना करते हैं कि वे उन्हें इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा चूक की जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। माझी ने कहा, यह लापरवाही अक्षम्य है। सुरक्षा चूक की तत्काल जांच की जाएगी और मैंने निर्देश दिया है कि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

अधिकारियों ने बताया कि घटना तड़के करीब चार बजे की है जब सैकड़ों श्रद्धालु रथ यात्रा उत्सव देखने के लिए मंदिर के पास इकट्ठा हुए।

काशी पत्रकार संघ एवं प्रेस क्लब के नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने संभाली जिम्मेदारी

- पदग्रहण समारोह में पत्रकार हितों के लिए एकजुट रहने का लिया संकल्प
- पत्रकारों पर हुए मुकदमे की संघ ने कड़े शब्दों में निंदा की, प्रशासन से तत्काल मुकदमा वापस लेने की मांग
- पत्रकार कल्याण कोष के गठन को प्राथमिक एजेंडा बनाया जाएगा : अरुण मिश्रा

सुरेश गांधी

वाराणसी। पत्रकारों की आवाज और अधिकारों की रक्षा के लिए काशी पत्रकार संघ और वाराणसी प्रेस क्लब की नई टीम ने रविवार को पराड़कर स्मृति भवन में पदभार संभाल लिया। पराड़कर स्मृति भवन में सादगी और गरिमा के साथ काशी पत्रकार संघ और वाराणसी प्रेस क्लब के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का पदग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ।

इस दौरान संघ और क्लब के पदाधिकारियों ने पत्रकार हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया। संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण मिश्रा, महामंत्री जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष डा॰ जयप्रकाश श्रीवास्तव, प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष चन्दन रूपानी, मंत्री विनय शंकर सिंह और कोषाध्यक्ष संदीप गुप्ता ने अपनी-अपनी टीम के साथ पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।साधारण सभा के दौरान सभी सदस्यों ने पत्रकारों पर दर्ज दुर्भावनापूर्ण मुकदमे की कड़ी निन्दा की। संघ ने प्रशासन से मुकदमा तत्काल वापस लेने की मांग की। सदस्यों ने चेताया कि यदि मुकदमा वापस नहीं लिया गया तो संघ चरणबद्ध आंदोलन करेगा। इस दौरान अध्यक्ष अरुण मिश्र ने कहा, पत्रकार कल्याण कोष के गठन को प्राथमिक एजेंडा बनाया जाएगा। इसके अलावा पत्रकार समाज की सुरक्षा व सम्मान के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जाएगा। महामंत्री जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा, मैं पत्रकारों की आवाज को मजबूती से शासन-प्रशासन तक पहुंचाऊंगा। संगठन की एकता मेरी प्राथमिकता होगी। वाराणसी प्रेस क्लब अध्यक्ष चन्दन रूपानी ने कहा, हम सब मिलकर प्रेस क्लब को पत्रकारों के हितों का सशक्त मंच बनाएंगे। पत्रकारों की गरिमा को किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं होने देंगे। पदभार ग्रहण करते हुए नई कार्यकारिणी ने स्पष्ट किया कि पत्रकारों के कल्याण, अधिकारों की सुरक्षा और प्रेस की स्वतंत्रता के लिए पूरी निष्ठा से कार्य किया जाएगा।

बीजेपी के झुग्गी तोड़ो अभियान पर अरविंद केजरीवाल ने साधा निशाना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में झुग्गी-झोपडियों के खिलाफ चल रहे अभियान को लेकर दिल्ली की राजनीति गरमा गई है। दिल्ली सरकार के इस एक्शन के विरोध में रविवार को आम आदमी पार्टी ने जंतर-मंतर पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज और संजय सिंह सहित अअढ के कई बडे नेता शामिल हुए और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा।

जंतर-मंतर से भाजपा के खिलाफ हुंकार भरते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'चुनाव से पहले मैंने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें कहा था कि आप उन्हें (भाजपा को) भूलकर भी वोट न दें, क्योंकि उनकी नजर आपकी जमीन पर है। अगर आप उन्हें वोट देंगे तो वो एक साल के अंदर आपकी झुग्गी-झोपडियां तोड देंगे।' केजरीवाल ने आगे कहा, 'मैंने कहा था कि वो एक साल में तोड देंगे, लेकिन किसे पता था कि ये तो 5 महीने में ही आपके घर तोडकर पूरी दिल्ली का सत्यानाश कर देंगे।'

केजरीवाल ने भाजपा पर दिल्ली को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा, 'उन्होंने बुलडोजर चलाकर दिल्ली को बर्बाद कर दिया। इतनी गर्मी में, 50 डिग्री सेल्सियस में, वो गरीबों की झुग्गियां तोड रहे हैं, जिससे वो सडक पर चलने के लिए भी लाचार हो गए हैं।' उन्होंने गरीबों की दुर्दशा पर जोर देते हुए कहा, 'गरीब आदमी अपनी झुग्गी के पास काम करता है... अगर झुग्गी टूटती है तो उसकी रोजी-रोटी भी

बर्बाद हो जाती है... उन्होंने गरीबों को मरने के लिए छोड दिया है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'जहां झुग्गी, वहां मकान' गारंटी पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने तंज कसा, 'मोदी जी आए थे और गारंटी देकर गए थे - 'जहां झुग्गी, वहां मकान', दरअसल उनका असली मतलब था - 'जहां झुग्गी, वहां मैदान', वोट दे दो, फिर सारी झुग्गियां तोड देंगे और गरीबों को सडकों पर ला देंगे। अब वो ये कर रहे हैं - एक-एक करके आपके घर को माटी में मिला रहे हैं। उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा, 'बीजेपी का एक बडा नेता कह रहा था कि बीजेपी दिल्ली की सारी झुग्गियां तोडेगी। लेकिन शायद वो भूल गए कि इन झुग्गियों में 40 लाख लोग रहते हैं। जिस दिन ये 40 लाख लोग सडकों पर उतर आए, इनको नानी याद आ जाएगी।' केजरीवाल ने लोगों से अपनी एकता बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा, 'आप लोगों की सबसे बडी ताकत आपकी एकता है। अब वक्त आ गया है, आवाज उठाने का।

बादल फटने से उत्तराखंड में 2 मजदूरों की मौत

उत्तराखंड। उत्तराखंड में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और भूस्खलन की घटनाओं ने एक बार फिर कहर बरपाया है। रविवार तड़के उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिलाई बैंड के पास बादल फटने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 2 मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि 9 अन्य अभी भी लापता बताए जा रहे हैं।

प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आशंका के मद्देनजर, राज्य सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चारधाम यात्रा को अगले 24 घंटे के लिए स्थगित कर दिया है। मौसम विभाग द्वारा जारी भारी बारिश की चेतावनी और भूस्खलन के जोखिमों को देखते हुए यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि सिलाई बैंड के पास एक निमार्णाधीन होटल के कैंप में लगभग 19 मजदूर रुके हुए थे। बादल फटने से आए मलबे में 9 मजदूर बह गए, जबकि 10 को सुरक्षित निकाल लिया गया है। लापता मजदूरों की तलाश जारी है।

पुरी के मंदिर में भगदड़ मचने का कारण बनी लापरवाही और कुप्रबंधन अक्षम्य है : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि वह ओडिशा के पुरी में एक मंदिर के पास भगदड़ मचने की घटना से बहुत दुखी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि लापरवाही व कुप्रबंधन के कारण यह घटना हुई, जो माफी के लायक नहीं है।

अधिकारियों ने कहा कि रविवार सुबह श्री गुंडिचा मंदिर के पास भगदड़ मचने से दो महिलाओं समेत कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और लगभग 50 अन्य घायल हो गए।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

संविधान की प्रस्तावना से छेड़छाड़ कर कांग्रेस ने जो गलती की थी, संसद को उसे सुधारना चाहिए

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा करने का आह्वान किया तो कांग्रेस आग बबूला हो गयी। कांग्रेस शायद भूल गयी है कि आपातकाल के दौरान जब सारा विपक्ष जेल में ठूँस दिया गया था तब इंदिरा गांधी की तत्कालीन सरकार ने संविधान की प्रस्तावना में जबरन दो शब्द जोड़ दिये थे। कांग्रेस को समझना चाहिए कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्द जब बाबा साहेब आंबेडकर के लिखे गये संविधान की प्रस्तावना में थे ही नहीं तो उस पर सवाल उठेंगे ही। ऐसा भी नहीं है कि आरएसएस ने ही पहली बार इन दोनों शब्दों पर सवाल उठाया हो। समाज के कई वर्गों की ओर से इन दोनों शब्दों को संविधान की प्रस्तावना में शामिल करने को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गयी थी।

आरएसएस पर संविधान विरोधी होने का आरोप लगा रही कांग्रेस शायद भूल रही है कि उसकी सरकारों ने ही सर्वाधिक बार संविधान में संशोधन किये और संविधान की प्रस्तावना तक को संशोधित कर डाला। इंदिरा गांधी सरकार ने 1976 में 42वें संविधान संशोधन के जरिए प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द तब जोड़े थे जब देश में आपातकाल लगा था और विपक्ष के सारे नेता जेल में थे। यह सही है कि संविधान के अनुच्छेद 368 के अनुसार, संविधान में संशोधन किया जा सकता है और यह शक्ति संसद के पास है जो प्रस्तावना तक भी विस्तारित है। मंगर उस समय संसद ने लोकतंत्र की भावना के अनुरूप काम नहीं किया और विपक्ष की गैर-मौजूदगी में संशोधन के जरिये प्रस्तावना में भारत के वर्णन को ह्यह्यसंप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्यळ्ळ से बदलकर ह्यह्यसंप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्यळ्ळ कर दिया गया। उस समय राजनीतिक कारणों से संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द को डाला गया।

कांग्रेस को इस बात का भी जवाब देना चाहिए कि जब प्रस्तावना को 26 नवंबर 1949 में संविधान सभा ने स्वीकार किया था, तब 1976 में उसे बदल क्यों दिया गया? कांग्रेस को इस बात का भी जवाब देना चाहिए कि 1976 में किये गये संशोधन के बाद भी संविधान की प्रस्तावना में क्यों लिखा है कि उसे 26 नवंबर 1949 को स्वीकार किया गया? आरएसएस पर सवाल उठा रही कांग्रेस को यह भी पता होना चाहिए कि साल 2023 में नये संसद भवन में कामकाज के पहले दिन सांसदों को दी गई संविधान की प्रति में प्रस्तावना में समाजवादीऔर धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं थे। उस समय केंद्र सरकार ने तर्क दिया था कि यह मुद्रित प्रति ही मूल प्रस्तावना थी।

कांग्रेस को समझना होगा कि संविधान में सामान्य संशोधनों और प्रस्तावना में किये गये संशोधन में बड़ा फर्क है। कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान अलोकतांत्रिक रूप से जो कार्य किया था अब उसे ठीक करने का आह्वान किया जा रहा है तो इसमें गलत क्या है? संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द रहें या नहीं रहें, यदि इस पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा के बाद फैसला करने की मांग की जा रही है तो इसमें गलत क्या है? यह वाकई हास्यास्पद है कि कांग्रेस आरएसएस के आह्वान को बाबा साहब के संविधान को नष्ट करने की साजिश बता रही है जबकि इसी पार्टी की सरकार ने बाबा साहेब के संविधान की प्रस्तावना से छेड़छाड़ की थी। बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि डॉ. बीआर अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान सभा ने विश्व का उत्तम संविधान भारत को दिया जिससे हमारे लोकतंत्र की नींव मजबूत हुई।

अहमदाबाद रथ यात्रा में हाथी हुआ बेकाबू, बाल-बाल बचे श्रद्धालु

गुजरात के अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। भव्य जुलूस में शामिल एक हाथी अचानक बेकाबू होकर भीड़ में दौड़ने लगा, जिससे श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई और वे डर गए।

हालांकि, समय रहते हाथी पर काबू पा लिया गया, और एक बड़ा हादसा टल गया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। गुजरात के अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा के दौरान उस वक्त हड़कंप मच गया, जब जुलूस में शामिल हाथी अचानक बेकाबू हो गया। हाथी को भीड़ के बीच दौड़ते देख श्रद्धालु डर गए, लेकिन गनीमत रही कि समय रहते उस पर काबू पा लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जमालपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर से सुबह करीब 7 बजे भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों का विशाल जुलूस निकला, जिसमें हजारों भक्तों ने हिस्सा लिया।

यात्रा की शुरुआत से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुबह 4 बजे मंगला आरती की, जबकि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'पाहिंद' (सोने की झाड़ू से मार्ग साफ करने) की रस्म पूरी की। इस भव्य जुलूस में 18 हाथी, 101 ट्रक, 30 अखाड़े, 18 भजन मंडलियां और तीन बैंड शामिल थे, जो सुबह 10:15 बजे तक शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ रहा था। हालांकि, इसी दौरान एक हाथी अचानक बेकाबू हो गया, जिससे जुलूस में अफरा-तफरी मच गई।

श्रद्धालु डरकर इधर-उधर भागने लगे। बताया जा रहा है कि इस घटना में घटनास्थल से भागते समय दो लोग घायल हो गए। अहमदाबाद के कांकरिया चिड़ियाघर में पशु चिकित्सा सलाहकार और हाथी का इलाज करने वाली टीम के सदस्य डॉ. आर.के. साहू ने बताया, 'ऐसा लगता है कि जुलूस में शामिल एकमात्र नर हाथी तेज संगीत और सीटी बजने के कारण थोड़ा चिड़चिड़ा हो गया था।

वह उग्र हो गया, लेकिन जल्द ही उसे काबू में कर लिया गया। इस नर हाथी को अलग रखा गया है और दो अन्य मादा हाथियों के साथ रखा गया है। हाथी ने किसी को सीधे तौर पर घायल नहीं किया है। अब जुलूस में 14 हाथी भाग ले रहे हैं।'

अब नहीं दिखेगा Microsoft का 'ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ', इ”' रूगील्ल आएगी नजर, जानें पूरी डिटेल

ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ बंद होने वाला है। कंपनी ने अब इस बात की भी जानकारी दी है कि इस एरर मैसेज को कब हटाया जाएगा। पहले कंपनी ने कहा था कि वो इरडऊ को रिप्लेस कर रही है, इसका सक्सेसर ब्लैक स्क्रीन है और इसमें फ्राउन टेक्स्ट इमोटिकॉन नहीं है।

माइक्रोसॉफ्ट का ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ बंद होने वाला है। कंपनी ने अब इस बात की भी जानकारी दी है कि इस एरर मैसेज को कब हटाया जाएगा। पहले कंपनी ने कहा था कि वो इरडऊ को रिप्लेस कर रही है, इसका सक्सेसर ब्लैक स्क्रीन है और इसमें फ्राउन टेक्स्ट इमोटिकॉन नहीं है। ये यूजर्स को क्रैश से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी देगा जो आईटी एडमिनिस्ट्रेटर्स को क्रैश के बाद कंप्यूटर की समस्या जल्दी ढूंढने में मदद कर सकती है। माइक्रोसॉफ्ट में एंटरप्राइज एंड ओएस सिक्योरिटी के वीपी, डेविड वेस्टन ने ळ्ीं शी’ को इंटरव्यू में बताया कि माइक्रोसॉफ्ट विंडो 11 पर ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ को नई ब्लैक स्क्रीन से रिप्लेस किया जाएगा। रीडिजाइन इस गर्मी के बाद क्विक मशीन रिकवरी फीचर के साथ रोल आउट होगा। एग्जीक्यूटिव द्वारा शेयर किए टाइमलाइन के आधार पर हम उम्मीद कर सकते हैं यूजर्स अगस्त या सितंबर से पहले नया इरडऊडिजाइन देखेंगे। जब अपडेटेड इरडऊडिजाइन यूजर्स के लिए रोल आउट होगा, तो वे एक सिंपल डिजाइन देखेंगे, जिसमें बड़ा फ्राउन इमोटिकॉन नहीं होगा। माइक्रोसॉफ्ट के जरिए ये हमें एक नए ब्लैक स्क्रीन ऑफ डेथ का अच्छा अंदाजा है। इस साल की शुरुआत में कंपनी ने इरडऊको रिप्लेस करने के लिए ग्रीन कलर की एरर स्क्रीन रोल आउट की थी, जो विन्डो इंसाइडर टेस्टर्स के लिए बीटा चैनल पर उपलब्ध थी। वहीं नई ब्लैक स्क्रीन मार्च में कंपनी द्वारा शेयर की गई ग्रीन स्क्रीन जैसी ही दिखती है। ये विन्डो 11 अपडेट स्क्रीन से काफी मिलती-जुलती है जिसमें सेंटर अलाइन्ड टेक्स्ट यूजर्स को बताता है कि कंप्यूटर एरर की वजह से रीस्टार्ट हो रहा है और क्रैश लॉग कलेक्शन प्रोसेस की प्रोग्रेस का परसेंटेज दिखाता है।

अंग्रेजी का पूर्ण उन्मूलन और संस्कृत या हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाना 'हिंदू राष्ट्र' के निर्माण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है

– अशोक भाटिया , मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के दूसरे सरसंघचालक गोलवलकर गुरुजी ने अपनी पुस्तक 'वी ऑर अवर नेशनहुड', 'बंच ऑफ थॉट्स' में संस्कृत, अंग्रेजी और हिंदी पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। आज भाषाओं पर बहस जिस दिशा में जा रही है, ऐसे समय उनके विचारों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

बीसवीं शताब्दी में जिन राष्ट्र-पुरुषों, मनीषियों एवं चिंतकों ने भारत के समग्र विकास एवं उसे शक्तिपुंज बनाने के लिए जो विचार-दर्शन दिया, उनमें महात्मा गांधी के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी का नाम इतिहास में स्वर्णाक्षरों से लिखा है। श्रीगुरुजी के पास हिंदू राष्ट्र, संस्कृति एवं परंपरा की संकल्पना थी तथा हिंदू समाज की एकात्मता एवं संगठन तथा उसके समग्र विकास के लिए पूर्णतः तर्कसंगत विचार-दर्शन था। इस विचार-दर्शन के अनुसार भारत हिंदू राष्ट्र था, और है। उनके राष्ट्र-दर्शन का आधार राष्ट्रीयता थी। इसके लिए वे वाणी और कर्म में एकता चाहते थे, जिससे कार्य को सजीव रूप देकर जीवन की पद्धति को उचित दिशा में मोड़ा जा सके।श्रीगुरुजी ने कोझीकोड के प्रांतीय शिविर में फरवरी,1966 में कहा था, हमारे कार्य में कोरी बातों का कोई स्थान नहीं। भाषणों में हमारी रुचि नहीं, लगातार बोलने रहने में हमारा विश्वास नहीं, शब्दों का जाल खड़ा करना हमें भाता नहीं, फिर भी बोलना तो पड़ता ही है पर हम निश्चयपूर्वक बोलते हैं और जो बोलते हैं, उसे अपने कार्य द्वारा सजीव रूप देते हैं। अपने कार्य द्वारा जीवन की पद्धति में मोड़ लाते हैं।

उनका यह विचारांश महत्वपूर्ण है। इसमें उन्होंने संस्कृत, हिंदी तथा प्रांतीय भाषाओं के उद्भव एवं विकास तथा उनकी महत्ता को रेखांकित किया है। उन्होंने अपने कई व्याख्यानों में हिंदी भाषा के अनेक गुणों का उल्लेख किया है। वे मानते हैं कि संस्कृत से जन्मी हिंदी संस्कृत के बाद सार्वदेशिक भाषा है तथा उसे प्रखर स्वाभिमान की भावना को जागृत करने वाली जगत की सर्वश्रेष्ठ भाषा बनाना है। हिंदी ही इस देश की राजभाषा या राज्य-व्यवहार की भाषा बन सकती है, क्योंकि वह देश में अधिकतर समझी जाती है और दक्षिण में भी थोड़ी मात्रा में समझी जाती है।

अतः हिंदी भाषा को हम सबको मिलकर व्यवहार भाषा के रूप में समृद्ध करना चाहिए। श्रीगुरुजी मराठी भाषी थे, लेकिन उन्हें हिंदी भी अपनी मातृभाषा ही प्रतीत होती थी। उन्होंने दिल्ली में फरवरी, 1965 में कहा था, हिंदी को स्वीकार करने में कौन-सी कठिनाई है। मैं तो मराठी भाषी हूं, पर मुझे हिंदी पराई भाषा नहीं लगती। हिंदी मेरे अंतःकरण में उसी धर्म, संस्कृति और राष्ट्रीयता का स्पंदन उत्पन्न करती है जिसका प्रसार मेरी मातृभाषा मराठी द्वारा होता है। श्रीगुरुजी इस प्रकार मराठी और हिंदी को समान प्रेम और आदर देते हैं, परंतु हिंदी को एकमात्र राष्ट्रीय भाषा मानने को तैयार नहीं हैं। वे कहते हैं, मैं मानता हूं कि अपनी सभी भाषाएं राष्ट्रीय हैं। ये हमारी राष्ट्रीय धरोहर हैं। हिंदी भी उन्हीं में से एक है, परंतु उसके बोलने वालों की संख्या अधिक होने से उसे राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया है। यह दृष्टिकोण कि हिंदी ही एकमात्र राष्ट्रभाषा है और अन्य भाषाएं प्रांतीय हैं, वास्तविकता के विपरीत और गलत है। अतः सभी भाषाएं जो हमारी संस्कृति के विचारों का वहन करती हैं, शत-प्रतिशत राष्ट्रीय हैं। इस प्रकार श्रीगुरुजी हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय भाषाएं मानकर छोटी-बड़ी भाषा के अहंकार को समाप्त करके श्रेष्ठता के उन्माद एवं हीनता-ग्रंथि को भी नष्ट करते हैं। इसलिए वे हिंदी को अन्य देशी भाषाओं की तुलना में श्रेष्ठ नहीं मानते। वे कहते हैं कि तमिल तो 2,500 वर्ष से एक सुसंस्कृत भाषा के रूप में प्रचलित थी। अतः हिंदी अन्य प्रादेशिक भाषाओं की तुलना में न तो पुरानी है और न ही श्रेष्ठ है, परंतु राष्ट्रीय एकता, संस्कृति की संवाहिका, स्वत्व-बोधक, आत्मसम्मान की रक्षक तथा सार्वदेशिक होने के कारण वे हिंदी के वैशिट्य को स्वीकार करते हैं और उसे ही राजभाषा तथा प्रांतों से संपर्क एवं व्यवहार की भाषा के रूप में स्वीकार करते हैं।

उनका कहना है कि इस देश से अंग्रेजी को पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए और संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाया जाना चाहिए। वे लिखते हैं,भाषाओं की रानी, देववाणी संस्कृत इन सभी भाषाओं की प्रेरणा है। यह भाषा बहुत समृद्ध है और इसकी पवित्रता के कारण, केवल यही भाषा राष्ट्रीय मामलों का माध्यम बन सकती है। (पृ. 104)। जब गृह मंत्री कहते हैं, 'हम एक बार फिर अपने देश की सरकार अपनी भाषा में चलाएंगे', तो उन्हें यह कहने की जरूरत नहीं है कि वह किस भाषा की उम्मीद करते हैं।

जानबूझ कर यह कहने की जरूरत नहीं है कि संस्कृत को इस देश की राष्ट्रभाषा बनाना कितना अव्यावहारिक है। इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि भारतीयों की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है और इसके लिए संस्कृत के अध्ययन की आवश्यकता है। लेकिन जो भाषा नियमों से बंधी हुई है, जो व्यवहार से पूरी तरह गायब हो चुकी है, अगर वह आकाश में बैठी है तो पृथ्वी पर अनगिनत भारतीय बहुजनों की भाषा कैसे हो सकती है? क्या यह देश मुट्ठी भर संस्कृतवादियों या अरबों लोगों का है? संस्कृत के 'मृत' भाषा बनने या न होने पर क्या होगा, इसका हास्य-व्यंग्य करने के लिए आचार्य अत्रे या पीएल देशपांडे की प्रतिभा की जरूरत होती है।

शायद गुरुजी ने भी संस्कृत के बारे में इस तथ्य पर ध्यान दिया होगा, इसलिए वे लिखते हैं, ...दुर्भाग्य से, आज संस्कृत भाषा दैनिक व्यवहार में नहीं है। जब तक संस्कृत उस स्थान को प्राप्त नहीं कर लेती, तब तक हिंदी को एक सुविधाजनक स्थान के रूप में प्राथमिकता देनी होगी। स्वाभाविक रूप से, हम जो हिंदी चुनते हैं, वह अन्य सभी भारतीय भाषाओं की तरह संस्कृत-व्युत्पन्न होना चाहिए। हिंदी हम में से एक बड़े वर्ग की बोली है और इसे सीखना और बोलना भी सभी भाषाओं की तुलना में आसान है... अतः हमें राष्ट्रीय एकता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए हिन्दी को अपनाना चाहिए... यह विचार कि हिंदी पर अन्य भाषाओं द्वारा आक्रमण किया जा रहा है, घटिया राजनेताओं द्वारा तैयार की गई एक काल्पनिक कहानी है।

अब यह देखा जा सकता है कि महाराष्ट्र में शुरू से ही हिंदी को पाठ्यक्रम में शामिल करने पर जोर क्यों दिया जाता है। हिंदी हिंदू राष्ट्र की राष्ट्रभाषा बनी रहेगी, जो 'हिंदी राष्ट्र' के निर्माण में संघ और भाजपा के महत्वपूर्ण एजेंडे में से एक है।

सच तो यह है कि अच्छी अंग्रेजी जानने का बुद्धिमत्ता और उपलब्धियों से कोई लेना-देना नहीं है। प्रधानमंत्री खुद एक अच्छे उदाहरण हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री बनने के लिए अंग्रेजी भाषा से जुड़ी सभी बाधाओं को पार कर लिया है। लेकिन आप कितना भी ना कहें, अच्छी अंग्रेजी का आना हमारे देश में प्रशंसा का विषय बन गया है। यह एक तथ्य है। साथ ही, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि ब्रिटिश और अंग्रेजों ने हमारे ज्ञान के आधार को बढ़ाने में महान भूमिका निभाई है। इतना ही नहीं अंग्रेजी भाषा के माध्यम से भारतीयों के लिए मानव जीवन के कुछ ही द्वार खोले गए हैं। साथ ही, भारतीयों ने यह भी माना कि उनके ज्ञान के प्रसार के लिए अंग्रेजी का कोई विकल्प नहीं है। 'मैं मराठी भाषा का शिवाजी हूं', विष्णु शास्त्री चिपलूणकर ने अंग्रेजी में कहा। जस्टिस रानाडे अंग्रेजी में लेकर देते थे। देखो। तिलक ने अंग्रेजी में 'द ओरियन' और 'आर्कटिक होम इन द वेद' लिखे। एम.एम. पी. नहीं तो। केन ने अंग्रेजी में सबसे प्रसिद्ध पांच-खंड पुस्तक हिस्ट्री ऑफ थियोलॉजी लिखी। विद्वान भाषाविद् सुनीति कुमार चटर्जी को बंगाली भाषा की उत्पत्ति विकास पर उनकी बहुत ही व्यावहारिक थीसिस के लिए डी। लिट प्राप्त हुआ। कई अन्य उदाहरण दिए जा सकते हैं। अंग्रेजी भाषा की तरह अंग्रेजी लेखकों का हमारे लेखकों पर एक मजबूत प्रभाव है। यह उपन्यासों और नाटकों पर भी लागू होता है। हम मराठी लेखक अंग्रेजी से इतने मोहित हैं कि हमें विश्वास हो गया है कि हमारी विद्वता तब तक साबित नहीं हो सकती जब तक कि हमारे लेखन में अंग्रेजी विचारकों के चार या दो उद्धरण या उप-उद्धरण न हों। मराठी लेखकों से पश्चिमी साहित्य के और अधिक अध्ययन की अपेक्षा और आवश्यकता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, 'हम इतने संक्षिप्त हैं कि हम अभी तक पर्याप्त रूप से परिपक्व नहीं हैं।

संक्षेप में, हमें अंग्रेजी के सांस्कृतिक ऋण को स्वीकार करना चाहिए। आज, अंग्रेजी हमारी हड्डियों में इतनी गहरी है कि हम अंग्रेजी के बिना काम करने की कल्पना नहीं कर सकते।

कुछ मराठी शब्दों के बजाय, हमें अर्थ की भावना मिलती है। इसलिए लिखते समय, हम कई बार मराठी शब्द लिखते हैं और उनके अंग्रेजी समानार्थी शब्द देते हैं। आज, अधिकांश मंत्रियों के बच्चे शिक्षा के लिए विदेश जाते हैं, उनके पी।ए। सचिव विदेश जाते हैं, वे अपने आप जाते हैं। अगर उन्हें अंग्रेजी बोलने में शर्म आती है, तो एक-दूसरे के साथ भाषाई संचार कैसे हो सकता है? अंग्रेजी दुनिया के साथ बेहतर तरीके से जुड़ती है, कई तरीके और विकल्प बनाती है। एक अवलोकन यह भी बताता है कि जो लोग अच्छी अंग्रेजी जानते हैं वे नौकरियों की मांग में अधिक हैं और अंग्रेजी नहीं बोलने वालों की तुलना में उच्च वित्तीय आय रखते हैं ।

बाढजनित हादसों में कब तक होती रहेगी जन-धन की हानि

भारत में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में तेजी से वृद्धि हुई है। 2013-2022 के दशक में हर साल औसतन 8 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 66,000 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ। यह 2003-2012 के दशक की तुलना में 125 फीसदी अधिक है, जब यह आंकड़ा 3.8 अरब डॉलर था।

देश में सरकारी मशीनरी की तंद्रा तब भंग होती है, जब कोई बड़ा हादसा हो जाए। दूसरे शब्दों में कहें तो सरकारी तंत्र जागने के लिए बड़े हादसे की इंतजार में रहता है। पहले हुए हादसों से सबक सीखने की जरूरत महसूस नहीं की जाती। इसकी प्रमुख वजह है जिम्मेदारी का अभाव। यदि यह जिम्मेदारी तय कर दी जाए कि किसी तरह के हादसे के जिम्मेदारी संबंधित विभागों के अफसरों की होगी और हादसा होने की सूरत में उन्हें सख्त सजा मिलेगी, तभी हादसों पर लगाम लगाई जा सकती है। अभी मानसून की शुरूआत है। हर साल मानूसन के दौरान देश में बाढ़ जनित हादसों में सैकड़ों लोगों की मौत होती है। भारी बारिश से देश को अरबों रुपयों की सम्पत्ति का नुकसान होता है। जन-धन की इस हानि की किसी जिम्मेदारी तय नहीं है। आखिर कौन हर साल होने वाले ऐसे हादसों के लिए जिम्मेदार है। हादसा होने के बाद सिर्फ लकीर पीटी जाती है। ऐसे उपाय नहीं किए जाते कि हादसों की पुनरावृत्ति नहीं हो, या फिर इनकी संख्या में कमी लाई जा सके।

भारत में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में तेजी से वृद्धि हुई है। 2013-2022 के दशक में हर साल औसतन 8 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 66,000 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ। यह 2003-2012 के दशक की तुलना में 125 फीसदी अधिक है, जब यह आंकड़ा 3.8 अरब डॉलर था। वर्ष 2024 के नुकसान की गणना अभी बाकी है, जो इतिहास में भारत का सबसे गर्म साल रहा है। यह वृद्धि बताती है कि या तो प्राकृतिक आपदाएं अधिक बार आ रही हैं, अधिक गंभीर हो गई हैं, या दोनों ही बातें हो रही हैं।

1970 से 2021 तक का डेटा दिखाता है कि समय के साथ प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में लगातार बढ़ोतरी हुई है। कुछ वर्षों में नुकसान की मात्रा में बड़ी छलांग देखी गई, जो विनाशकारी घटनाओं, जैसे कि बड़े चक्रवातों, बाढ़, या सूखे के कारण हुई। वर्ष 2023 में, भारत को प्राकृतिक आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ। यह 2013-2022 के औसत 8 अरब डॉलर से काफी ज्यादा था। स्विस रे की रिपोर्ट के अनुसार, ये बड़े नुकसान उन क्षेत्रों में हुए जहां संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की संख्या ज्यादा है। स्विस रे एक प्रमुख पुनबीर्मा कंपनी है, जो विभिन्न प्रकार की रिपोर्ट और अध्ययन प्रकाशित करती है।

जून 2023 में, चक्रवात बिपरजॉय ने गुजरात के कच्छ जिले में भारी नुकसान पहुंचाया। इसके कारण सौराष्ट्र और कच्छ के सभी बंदरगाह, जैसे कांडला और मुंदरा बंदरगाह, बंद हो गए। तेज हवाओं, भारी बारिश और समुद्री तूफान ने राज्य में भारी तबाही मचाई। इस चक्रवात ने महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्यों को भी प्रभावित किया। दिसंबर 2023 में, चक्रवात मिकाउंग के चलते चेन्नई में भारी बारिश और बाढ़ के कारण बड़े नुकसान हुए। इसके अलावा, जुलाई 2023 में उत्तरी भारत और सिक्किम में आई बाढ़ ने हिमाचल प्रदेश और दिल्ली को बुरी तरह प्रभावित किया। स्विस रे के विश्लेषण में पाया गया कि भारत में पिछले दो दशकों में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले कुल वार्षिक नुकसान का लगभग 63 फीसदी हिस्सा बाढ़ से जुड़ा हुआ है। इसका कारण भारत की जलवायु और भौगोलिक स्थिति है। भारत में गर्मी का मॉनसून (जून से सितंबर) और पूर्वोत्तर मॉनसून (अक्टूबर से दिसंबर) भारी बारिश लाते हैं, जिससे गंभीर बाढ़ की स्थिति पैदा होती है। कुछ बड़ी घटनाओं में 2005 में मुंबई, 2013 में उत्तराखंड, 2014 में जम्मू और कश्मीर, 2015 में चेन्नई और 2018 में केरल की बाढ़ शामिल हैं। साल 2023 में उत्तर भारत की बाढ़ ने भी एक अरब डॉलर से अधिक का नुकसान पहुंचाया। रिपोर्ट कहती है कि नुकसान में वृद्धि के कई कारण हैं। इनमें जलवायु परिवर्तन प्रमुख है।

बढ़ते तापमान से चक्रवात, बाढ़ और सूखे जैसी घटनाओं की तीव्रता और आवृत्ति बढ़ी है। इसके अलावा संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ता निर्माण और आबादी आपदा के समय अधिक नुकसान का कारण बनते हैं। बाढ़ जैसी आपदाओं से सड़कों, पुलों और सार्वजनिक उपयोगिताओं जैसे बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान होता है। इससे ना केवल आर्थिक गतिविधियां बाधित होती हैं बल्कि यह लोगों की जिंदगी को भी प्रभावित करता है। कुदरती आपदाओं के कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घरों का बड़े पैमाने पर नुकसान होता है। इससे हजारों लोग बेघर हो जाते हैं और फिर से निर्माण में भारी खर्च आता है। प्राकृतिक आपदाओं से भारत के कुछ क्षेत्र अधिक प्रभावित हैं। तटीय राज्य, जैसे ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल अक्सर चक्रवात और समुद्री तूफानों का सामना करते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे गंगा के मैदान हर साल बाढ़ से प्रभावित होते हैं। राजस्थान और गुजरात बार-बार सूखे का सामना करते हैं। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे हिमालयी क्षेत्र भूकंप और भूस्खलन के लिए संवेदनशील है। साथ ही, मुंबई, चेन्नई और दिल्ली जैसे बड़े शहर बाढ़ और जलभराव के लिए अधिक संवेदनशील हैं। वर्ष 2005 की मुंबई बाढ़ और 2015 की चेन्नई बाढ़ भारत की सबसे महंगी प्राकृतिक आपदाओं में से हैं। इनसे क्रमशः 5.3 अरब डॉलर और 6.6 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। रिपोर्ट कहती है कि इन घटनाओं से स्पष्ट है कि बेहतर योजना और आपदा प्रबंधन की सख्त जरूरत है।

जलवायु परिवर्तन के चलते भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और बढ? की संभावना है। स्विस रे के मुताबिक भारत को आपदा प्रबंधन और तैयारी के लिए बेहतर कदम उठाने होंगे और ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा जो आपदाओं का सामना कर सके। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए स्विस रे की रिपोर्ट में कुछ उपाय भी सुझाए गए हैं। जैसे कि डेटा और प्रभावित केंद्रों की पहचान कर संवेदनशील क्षेत्रों का विस्तृत नक्शा बनाना होगा। आधुनिक तकनीकों और डेटा का इस्तेमाल कर नुकसान का सटीक आकलन किया जाए। ऐसी बीमा योजनाएं तैयार की जाएं, जो अधिक लोगों तक पहुंच सकें और प्राकृतिक आपदाओं के बाद वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सकें। फ?वरी 2021 में उत्तराखंड में एक हिमनद के फटने के कारण बर्फ, हिम और मलबे का स्खलन होने से व्यापक 'फ्लैश फ्लड' उत्पन्न हुआ। भारत में बाढ़ प्रतिवर्ष लगभग 75 लाख हेक्टेयर भूमि क्षेत्र को प्रभावित करती है और फसलों, घरों एवं सार्वजनिक उपयोगिताओं की क्षति के रूप में 1,805 करोड़ रुपए मूल्य की हानि का कारण बनती है। सवाल यह है कि आखिर देश के लोग बाढजनित आपदाओं की मार कब तक झेलते रहेंगे। हर साल होने वाली मौतें और हजारों करोड़ की सम्पत्ति की बबार्दी आखिर कब थमेगी। सिर्फ प्रकृति को दोष से देने से जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते।

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते राहुल गांधी

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है।' उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है। नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया था- 'ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है।ळ्ळ अप्रैल 2025 को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान बोस्टन में एक मीटिंग को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए, चुनाव पर बड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है।

ताजा संदर्भ राहुल गांधी ने ह्यमैच-फिक्सिंग महाराष्ट्रळ्ळ शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा। ये कई अखबारों में छपा। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं और भाजपा ने सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं ।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित करता है जिसे संसद, राष्ट्रपति, विधानसभा और सभी निर्वाचित निकायों के चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। यह संस्था न तो कार्यपालिका के अधीन है और न ही किसी राजनीतिक दबाव में काम करती है। भारतीय निर्वाचन आयोग केवल एक प्रशासनिक निकाय नहीं बल्कि विवाद-निराकरण और मतदाता-विश्वास निर्माण की भी जिम्मेदारी निभाता है। आयोग मतदान प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाने के लिए कई स्तर पर काम करता है। राहुल गांधी सस्ती लोकप्रियता पाने के कुछ भी बयान देते हैं, पर तर्क और तथ्य की कमी होती है। इससे समाज में भ्रम फैलता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। विदेशी धरती पर जाकर वो देश का अपमान, मोदी सरकार की आलोचना और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का कोई अवसर चूकते नहीं हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है।' उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है। खासकर तब जब भारत में लगातार चुनाव होते रहे हैं और सरकारें बदलती रहीं हैं। बीते 10-11 वर्षों में देश में कई ऐसी सरकारें बनी हैं, जिसे बीजेपी को हराने के बाद कांग्रेस को मौका मिला है। मतलब, अगर नतीजे राहुल और उनकी पार्टी के लिए अच्छे रहें तो लोकतंत्र ठीक है और नहीं तो वह 'ब्रोकेन हो जाता है।

सितंबर 2023 में राहुल गांधी ने ब्रसेल्स में यूरोपियन यूनियन में कहा कि भारत में 'फुल स्केल एसॉल्ट' हो रहा है। उन्होंने भारतीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर संदेह जताया। मई 2022 में लंदन में 'आइडियाज फॉर इंडिया' सम्मेलन में राहुल ने कहा कि भारत की संस्थाएं 'परजीवी' बन गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'डीप स्टेट' (सीबीआई, ईडी) भारत को चबा रहा है। यहां 'डीप स्टेट' का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। यहां 'डीप स्टेट' का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने भारत की तुलना पाकिस्तान जैसे अस्थिर लोकतंत्र से भी कर दी।

2017 में ही अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि भारत अब वह नहीं रहा जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। उन्होंने विदेश की धरती पर भारत में 'फ्री स्पीच' की स्थिति पर संदेह पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में सहनशीलता खत्म हो गई है। जबकि, हकीकत ये है कि राहुल गांधी संसद से लेकर बाहर तक जब जो जी में आता है, बयान देते रहे हैं और सरकार को छोड़ दें, शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची हो, जिस पर उन्होंने निशाना न साधा हो।

राहुल गांधी यह क्यों भूल जाते हैं कि भारतीय चुनाव आयोग ने ही वे चुनाव संपन्न करवाए हैं, जिनके दम पर वह आज विपक्ष के नेता पद पर बैठे हुए हैं। उनके परिवार के तीन-तीन सदस्य इन्हीं चुनावी प्रक्रियाओं का सहारा लेकर संसद में मौजूद हैं। यहीं की संवैधानिक संस्थाओं ने उन्हें इतनी राहत दी हुई है कि नेशनल हेराल्ड केस में गंभीर आरोपों के बावजूद वो और उनका मां सोनिया गांधी को जमानत मिली हुई है।

बीते कुछ वर्षों में राजनीतिक तौर पर भले ही भारत की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने का चलन बन गया हो लेकिन भारत के चुनाव आयोग की प्रशंसा केवल देश के भीतर ही नहीं संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और कई विदेशी सरकारों द्वारा भी की गई है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के 2020 के एक अध्ययन में भारत के चुनाव आयोग को ह्यवन ऑफ दी मोस्ट रोबस्ट इलेक्टोरल इंस्टीटूशन्स ग्लोबलीळ्ळ (विश्व स्तर पर सबसे मजबूत चुनावी संस्थाओं में से एक) कहा गया। यही नहीं, 2014, 2019 और 2024 के आम चुनावों में भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया कि तकनीक, प्रशिक्षण और जनता की भागीदारी के माध्यम से एक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संभव है।

बीती मई को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने से चुनाव आयोग से मुलाकात कर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया था। यह बातचीत निर्वाचन आयोग की उस नई पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सीधे तौर पर सुनकर चुनावी प्रक्रिया को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाना है। चुनाव आयोग अब तक देशभर में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में अब तक 28,000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया है।चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से लिखित में तथ्यों की मांग की और चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया है और अब यह दायित्व बनता है कि आरोप लगाने वाले नेता उन्हें उचित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करें। हालांकि राहुल गांधी के पूर्व रिकार्ड के हिसाब से ऐसा लग नहीं रहा है कि वो चुनाव आयोग के सामने जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अभिषेक सिंघवी, विवेक तन्खा जैसे बड़े वकीलों और पार्टी के अन्य नेताओं को रखा हुआ है। राहुल गांधी का काम सिर्फ आरोप लगाना है। अगर एजेंसी आरोपों को जवाब देना चाहती है तो वह सुनना उनका काम नहीं है। कमोबेश ऐसा ही आचरण उनका संसद में भी है। असल में] राहुल गांधी आरोप लगाकर, सामने वाले का पक्ष या जवाब सुनने की बजाय कोई नया आरोप लगाने की तैयारी में जुट जाते हैं।

तथ्य और तर्क से उनका कोई लेना देना नहीं रहता।

तथ्य यह भी है कि नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस की ओर से इसी तरह के मुद्दे उठाए गए थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस पार्टी को एक विस्तृत जवाब दिया था, जिसकी प्रति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि राहुल गांधी इस अध्याय का पटाक्षेप नहीं चाहते हैं। उनकी पार्टी इस मामले को जिंदा रखना चाहती है ताकि आगे के चुनाव नतीजों को सुविधा को हिसाब से संदिग्ध बनाया जा सके।

नगरसेविका आशा ताई मराठे मुंबई मनपा चुनाव 2025 की चुनाव संचालन समिति में हुई नियुक्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर की कार्य सम्राट भाजपा नगरसेविका आशा ताई सुभाष मराठे की भाजपा द्वारा मुंबई मनपा चुनाव २०२५ के चुनाव संचालन समिति में नियुक्त किया गया है। आशा ताई मराठे वर्तमान में भाजपा दक्षिण मध्य मुंबई जिला महिला की अध्यक्ष भी हैं। वे कार्यकताओं में काफी लोकप्रिय मानी जाती हैं। उनकी लोकप्रियता को देखते हुए भाजपा हाईकमान ने उन्हें आगामी मुंबई मनपा चुनाव २०२५ के चुनाव संचालन समिति में नियुक्त किया है। आशा ताई मराठे ने अपनी नियुक्ति के लिए राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, प्रदेश कार्याध्यक्ष रविन्द्र चव्हाण और भाजपा मुंबई के अध्यक्ष एडवोकेट आशीष शेलार का आभार जताया है। बता दें कि भारतीय जनता पार्टी आगामी मुंबई मनपा चुनाव के लिए अभी से ही युद्ध स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। जिसके लिए भाजपा के 27 प्रमुख नेताओं की मनपा चुनाव प्रबंधन समिति की घोषणा की गई है। आशा ताई मराठे को भाजपा मुंबई मनपा चुनाव २०२५ की प्रबंधन समिति में नियुक्त किए जाने पर बड़ी संख्या में लोगों ने बधाई दी है।

अमरकांत झा स्मृति प्रतिष्ठान द्वारा रक्तदान और चिकित्सा शिविर का आयोजन

बोरीवली, मुंबई (उत्तरशक्ति)। अमरकांत झा स्मृति प्रतिष्ठान द्वारा स्व. अमरकांत झा की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर रक्तदान शिविर एवं मुफ्त स्वास्थ्य जांच व चिकित्सा शिविर का विशाल पैमाने पर आयोजन किया गया। इस शिविर का उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने दीप प्रज्वलित करके विधिवत उद्घाटन किया।

आयोजक अमित झा ने मीडिया को बताया कि आचार्य नरेंद्र देव विद्यालय, बोरीवली में लगाए गए शिविर में मुख्य अतिथि जनसेवक गोपाल शेट्टी ने रक्तदाताओं और आयोजकों का हौसला बढ़ाते हुए जनहित में ऐसे शिविर लगाते रहने का आग्रह किया । इसके साथ-साथ उन्होंने रक्तदाताओं को अपने हाथों प्रमाण पत्र भी वितरित किया।

एमएसएससीटी एक्सीलेंस अवार्ड 2025 संपन्न

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। रविवार को नालासोपारा पूर्व के इन्फिनिटी साइंस क्लासेस में माँ सुशीला सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से एमएसएससीटी एक्सीलेंस अवार्ड 2025 सफलत के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ट्रस्ट के चेयरमैन सत्य त्रिपाठी के स्वागत भाषण से हुआ। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में दा शिवा सर (सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और शिक्षक), मनोज यादव, श्रीमती. वेनु दुबे उपस्थित रहें। भाषण और स्वागत कार्यक्रम के बाद विद्यार्थियों को भविष्य में आईटी क्षेत्र में करियर के लिए राकेश पाटिल और अतुल यादव से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इसके बाद छात्रों को उनके माता-पिता की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में अनिशा विश्वकर्मा (92%), सुरज पाठक (92%), देवांशी गोसालिया (92%), साक्षी यादव (91%), प्रीति पंवार (92%), सक्षम मिश्रा (90%), प्रिंस यादव (90%), निशांत झा (90%), अनिकेत पाल (90%), हर्षित सावंत (95%), ऋतिका पांडेय (94%), सान्निध्य दुबे (90%), शालिनी यादव (95%), आयुष यादव (91%), रिया गुप्ता (94%), अनुराग शर्मा (92%)। माता-पिता ने माँ सुशीला सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट को ऐसे कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम को इन्फिनिटी साइंस क्लासेस के सदस्यों द्वारा पूरी तरह से समर्थन मिला। क्लासेस की टीम से संदीप यादव सर, प्रियंका म्हालसेकर मिस और अन्य छात्र उपस्थित रहें। कार्यक्रम को सहयोग देने के लिए ट्रस्ट की टीम के सदस्य सत्या त्रिपाठी, राकेश पाटिल, अतुल यादव,आलोक सिंह, विध्यवासिनी यादव सर,मोहित दुबे, उपस्थित रहे।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो में भाग लेने का अंतिम मौका – आपका आइडिया बन सकता है अगला बड़ा समाधान

मुंबई/पटना। दिल्ली की गलियों से लेकर कोल्हापुर की कक्षाओं तक, हजारों छात्रों ने एक साहसी विश्वास के साथ कदम बढ़ाया है – मैं कल के लिए समाधान खोज सकता हूं। अब, जैसे ही सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो रोडशो अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है, भारत के युवा चेंजमेकर्स के लिए अपने आइडियाज को हकीकत में बदलने की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।

30 जून 2025 इस राष्ट्रीय नवाचार प्रतियोगिता सैमसंग सॉल?व फॉर टुमॉरो में आवेदन करने का आखिरी दिन है। यह चैलेंज 14 से 22 वर्ष की उम्र के युवाओं के लिए है, जिसने पूरे देश में एक नई सोच और बदलाव की लहर पैदा की है।29 अप्रैल 2025 को शुरू हुए इस कार्यक्रम के तहत छात्रों को मिलते हैं – डिजाइन थिंकिंग टूल्स, सैमसंग और आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों से मेंटरशिप, निवेशकों से संपर्क के अवसर, प्रोटोटाइप बनाने की सहायता और 1 करोड़ रुपये जीतने का मौका।लेकिन इस कार्यक्रम को खास बनाता है इसका उद्देश्य, सिर्फ पुरस्कार नहीं। पिछले कुछ हफ्तों में, देशभर में हुए ओपन हाउस और रोडशो ने दूरदर्शी सोच रखने वाले छात्रों को एक मजबूत मंच दिया है।

ड्रोन सर्वे को लेकर पालघर में अहम बैठक संपन्न

स्थानीयों की मांगों पर चर्चा, रोजगार व मुआवजे को लेकर आश्वासन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के डहाणू तहसील के वाढवन में प्रस्तावित महत्वाकांक्षी वाढवन बंदरगाह परियोजना के अंतर्गत किए जा रहे ड्रोन सर्वेक्षण को लेकर कुछ स्थानीय आंदोलनकारियों द्वारा विरोध दर्ज किया गया था। इस विरोध के चलते प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए शनिवार 28 जून 2025 को डहाणू उपविभागीय अधिकारी कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में डहाणू के सहायक जिलाधिकारी विशाल खत्री (भा.प्र.से.), उपजिलाधिकारी महेश सागर, वरोर, धाकटी डहाणू, चिंचणी व आसपास के ग्रामस्थ, ग्रामपंचायत सदस्य कुणाल राऊत, अनिकेत पाटील, मच्छीमार प्रतिनिधि गणेश मर्धे, केतन दवने तथा अन्य स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। प्रोजेक्ट से जुड़ी कंपनी बिल्डिंग एनवायरनमेंट कंस्ट्रक्शन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि विवेक कुलकर्णी, साथ ही डहाणू के उपविभागीय पोलीस अधिकारी विकास नाईक, कणसे मॅडम, सहायक पोलीस निरीक्षक पाचपूते व अन्य अधिकारी इस बैठक में मौजूद थे।

स्थानीय लोगों ने बैठक में कई अहम मांगें रखीं, जिनमें वाढवन ग्रीनफील्ड महामार्ग के लिए भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा देने, बंदरगाह परियोजना में स्थानीयों को प्राथमिकता से रोजगार देने और उन्हें पूर्व प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की मांग प्रमुख थीं। इन मांगों पर उपजिलाधिकारी महेश सागर ने बताया कि जेएनपीटी ने पहले ही स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया है। साथ ही सरकार के स्तर पर अन्य मांगों को लेकर ठोस अनुशंसा की जायेगी। बंदरगाह परियोजना से प्रभावित मछुआरों के लिए मुआवजा नीति निर्धारित करने हेतु सर्वेक्षण कार्य भी जारी है, जो बिल्डिंग एनवायरनमेंट कंस्ट्रक्शन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा गया है। कंपनी के प्रतिनिधि कुलकर्णी ने इस विषय में विस्तार से जानकारी दी।

ज्ञात हो कि जिन आंदोलनकारियों की मांग पर यह बैठक बुलाई गई थी, वे इस बैठक में अनुपस्थित रहे। फिर भी प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए बैठक आयोजित की और जो नागरिक उपस्थित थे, उनकी बातों को गंभीरता से सुना गया। सहायक जिलाधिकारी विशाल खत्री व उपजिलाधिकारी महेश सागर ने आश्वस्त किया कि जनता की भावनाएं जेएनपीटी व सरकार तक पहुंचाई जायेगी।

नवी मुंबई में सामाजिक कार्यकताओं द्वारा वृक्षारोपण

नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज एक्सपोर्ट ग्राउंड रोडपाली, कलंबोली, नवी मुंबई में सामाजिक कार्यकताओं द्वारा वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस कार्य में मुख्य रूप से सहयोग देने वाले विनोद प्रजापति, ज्ञान सिंह, सुजीत गुप्ता, सुजीत प्रजापति, बजाज, सुनील, सोहन यादव, ज्ञानेश्वर सांवले और कई अन्य साथियों ने हिस्सा लिया। वृक्ष हमारे जीवन के साथी हैं। सांसें हो रही हैं कम, आओ वृक्ष लगाएं हम।

उल्हासनगर मेट्रो के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पर अंतिम कार्रवाई शुरू

आमदार कुमार आयलानी द्वारा कई वर्षों से किया जा रहा है प्रयास

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। ठाणे-कल्याण-भिवंडी मेट्रो मार्ग पर प्रदेश के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा समीक्षा बैठक शुक्रवार को की गई। इस दौरान कल्याण से उल्हासनगर मेट्रो मार्ग 5 अ के बारे में भी चर्चा हुई तथा परियोजना रिपोर्ट पर अंतिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है जिससे मेट्रो मार्ग बनाने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाया जा चुका है।

बतादें की आमदार कुमार आयलानी द्वारा कई वर्षों से मेट्रो मार्ग को उल्हासनगर तक लाने के लिए पत्र व्यवहार करने के साथ ही संबंधित मंत्रियों से भी मुलाकात कर उन्हें यह बताया जा रहा था कि व्यापारिक शहर उल्हासनगर के लिए मेट्रो मार्ग की सख्त आवश्यकता है जिसकी वजह से शहर और व्यापार दोनों उन्नत हो सकेंगे। इस बात पर विचार हुआ और अब सभी के समवेत प्रयासों से मेट्रो मार्ग साकार होने की दिशा में है। दुगार्डी से कल्याण व उल्हासनगर के बीच बनाई जाने वाली 11.83 किमी की मेट्रो लाइन 5 अ के बीच 7 स्टेशन होंगे। आमदार कुमार आयलानी ने बताया कि 2019 के चुनाव के पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जी ने उल्हासनगर में मेट्रो मार्ग लाने की घोषणा की थी अब वह साकार होने जा रहा है इसके लिए आमदार कुमार आयलानी द्वारा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जी का आभार व्यक्त किया गया। वहीं उनकी इस मांग को गति देने के लिए उन्होंने उपमुख्यमंत्री द्वय एकनाथ शिंदे व अजीत पवार, भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण व कल्याण के सांसद श्रीकांत शिंदे का भी आभार व्यक्त किया है।

महापौर पुरस्कृत मुख्याध्यापिका गीता त्रिपाठी का सेवानिवृत्ति सम्मान संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगर पालिका शिक्षण विभाग द्वारा संचालित सिद्धार्थ नगर मनपा हिंदी शाला गोरेगांव पश्चिम की महापौर पुरस्कार से पुरस्कृत मुख्याध्यापिका गीता राघवेंद्र त्रिपाठी का 28 जून को आईबी पटेल मनपा शाला सभागृह, गोरेगांव पश्चिम में आयोजित एक भव्य समारोह में सेवानिवृत्ति के सम्मान समारोह किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व उप शिक्षण अधिकारी अशोक मिश्रा ने की। सम्मानित अतिथियों के रूप में वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, वरिष्ठ पर्यवेक्षक दुर्गा प्रसाद मिश्र, भवन निमार्ता अशोक पाठक, शिक्षक नेता केपी सिंह चौहान, शिक्षक नेता नरेंद्र सिंह, भाजपा नेता था समाजसेवी प्रवीण राय तथा आबकारी विभाग के पूर्व उपायुक्त आदित्य मिश्रा उपस्थित रहे। प्रमुख वक्ताओं में वरिष्ठ साहित्यकार राम सिंह, राजीव कुमार मिश्रा, डॉ विनय कुमार सिंह, अजय कुमार सिंह, मीरा पांडे, पूनम यादव ने अपने विचार रखें। आचार्य गुलाबधर पांडे ने धार्मिक रीति रिवाज से सरस्वती पूजा संपन्न कराई। राजेश कुमार सिंह, रेखा राजेश सिंह, राजेश हरिश्चंद्रे तथा लवकुमार मिश्रा के गाए गीतों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मानपत्र का वाचन जयप्रकाश मिश्रा ने किया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन शिक्षक सभा के महासचिव शरद सिंह ने किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में सुशील मिश्रा, प्रतिभा मिश्रा, भारती श्रीवास्तव, रीता यादव, अंजू गुप्ता कल्पना खराडे, सुनील सिंह, अरविंद सिंह समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

प्रजापति समाज विकास मंडल के तत्वावधान में किया गया वृक्षारोपण

पनवेल, नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। रविवार को प्रजापति समाज विकास मंडल रजि.राष्ट्रीय सामाजिक संस्था एनजीओ के तत्वावधान में (करंजाड़े छठ पूजा तालाब परिसर) पनवेल में वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण में प्राणवायु प्रदान करने वाले पीपल, नीम, बरगद आदि के पौधे लगाए गए।

सी.पी. प्रजापति ने एक विज्ञप्ति में बताया कि संस्था समय-समय पर विभिन्न सामाजिक कार्य जैसे वृक्षारोपण करना , मेडिकल कैंप लगाना, मुक्त शिक्षा किट का वितरण, स्वच्छता अभियान आदि सामाजिक कार्य करती रहती है।

इस अवसर पर उन्होंने वृक्षारोपण के महत्व को बताते हुए कहा कि वृक्ष हमें जीवन दायिनी प्राणवायु (ऑक्सीजन) प्रदान करते हैं। बिना ऑक्सीजन के जीवन टिक पाना असंभव है। हम पानी भोजन की बगैर कुछ दिनों तक जिंदा रह सकते हैं मगर बिना प्राणवायु यानी ऑक्सीजन के बगैर कुछ पल में ही हमारी मृत्यु निश्चित है। पेड़ लगाना आवश्यक है। क्योंकि वे ऑक्सीजन छोड़ते हैं और वायु की गुणवत्ता में सुधार करते हैं। पेड़ों की संख्या बढ़ाने से पर्यावरण में रहने के लिए सुरक्षा बढ़ती है। वृक्षारोपण प्रदूषण को कम करने में भी मदद करता है। जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित होता है। साथ ही साथ वन्यजीवों के लिए भी आवास, भोजन और सुरक्षा प्रदान करते हैं।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में सी.पी. प्रजापति-राष्ट्रीय अध्यक्ष, रोहित संजय कुंभार-अध्यक्ष (पनवेल महानगरपालिका क्षेत्र), भगवान दास प्रजापति सचिव- करंजाड़े विभाग, लव कुमार प्रजापति-उपसचिव, राकेश कुमार प्रजापति-कार्यकारिणी सदस्य, सत्यनारायण शर्मा-छठ पूजा समिति अध्यक्ष-करंजाड़े आदि ने भाग लिया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा मंडल में आज एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत बिहारी प्रवासी बन्धुओं के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस संवाद में बदलते बिहार पर चर्चा और बिहार में होने वाले बदलाव में आप प्रवासी बन्धुओं की सहभागिता पर विशेष रूप से चर्चा किया गया। मीरा भायंदर में एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत बिहार से आए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता डॉ प्रेम रंजन चतुवेर्दी ने कहा कि जिस जगह आपने जन्म लिए हैं वह जन्मभूमि आपको पुकार रही है। बिहार में नरेंद्र भाई मोदी के सहयोग से और भारतीय जनता पार्टी एवं नीतीश कुमार के योगदान से जिस तरह से बिहार को विकसित के काम किया जा रहा है। उसमें आप सभी का योगदान अत्यंत ही आवश्यक है, आप जैसे क्रमशील लोग और अनुभवी लोग अगर बिहार को सहयोग करेंगे तभी आपकी जन्म भूमि विकसित बिहार के रूप में डेवलपमेंट होगी इसी के लिए हम आप सभी को आमंत्रित करने के लिए मुंबई से विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास कर रहे हैं। बिहार की बंधुओ से संवाद कर रहे हैं। इस अवसर बीजेपी बिहार प्रकोष्ठ के तरफ से डॉ प्रेम रंजन चतुवेर्दी जी को गुलदस्ता एवं अंग वस्त्र देकर स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रवक्ता शैलेश पांडे, फूल कुमार झा, रश्मि मिश्रा, पूजा चौधरी, मुकेश सिंह, नितेश सिंह, गौरव सिंह, संजय सिंह, कुणाल सिंह, सत्येंद्र भारद्वाज, राजू गुप्ता, शिव पंडित, जयराम ठाकुर, लाल बाबू शर्मा, चंदन प्रसाद, योगेश पांडे, हरेंद्र यादव, इत्यादि भारी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वसई रोड पश्चिम में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर 'स्वतंत्रता जागरण' कार्यक्रम आयोजित

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई रोड पश्चिम स्थित स्वामीनारायण मंदिर में 25 जून 1975 की मध्यरात्रि से लागू किए गए आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक विशेष ह्यस्वतंत्रता जागरणह्ल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन उन लोकतंत्र-प्रेमी योद्धाओं को श्रद्धांजलि देने हेतु किया गया, जिन्होंने आपातकाल के दौरान नागरिक अधिकारों के हनन और प्रेस की स्वतंत्रता के दमन के विरुद्ध आवाज उठाई और जेल की यातनाएं सही।इस भव्य कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि और मुख्य वक्ता रहे रघुनाथ दादा कुलकर्णी, जो राज्य स्तरीय आदिवासी क्षेत्र विकास समीक्षा समिति के अध्यक्ष (मंत्री स्तर) हैं। उनके साथ पालघर के सांसद डॉ. हेमंतजी सावरा तथा विवेक भाऊ पंडित भी मंच पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर वसई-विरार शहर के 50 आपातकाल योद्धाओं को शॉल, पुष्पगुच्छ और विशेष पदक देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा में इन योद्धाओं के योगदान को याद किया और कहा कि ह्लोकतंत्र की रक्षा के लिए यह संघर्ष भुलाया नहीं जा सकता आपातकाल के दौरान देश के लिए आवाज उठाने वालों को नमन!

कार्यक्रम में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित, भाजपा वसई विरार जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, पूर्व अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, शहर के गणमान्य नागरिक, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, भाजपा के विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष, पदाधिकारी और भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अतीत की कुर्बानियों को याद करना और उनसे प्रेरणा लेना अत्यंत आवश्यक है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

'एक पेड़ मां के नाम' सिर्फ पर्यावरणीय पहल नहीं, भावनात्मक जिम्मेदारी: ओमप्रकाश सिंह

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर कृपाशंकर सिंह ने किया पौधरोपण

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर आम का पौधा रोपित कर की श्रद्धांजलि अर्पित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर रविवार को जौनपुर विधानसभा के जौनपुर दक्षिणी वार्ड में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने कहा कि डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की एकता और अखंडता के लिए जो बलिदान दिया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत आज विशेष पौधरोपण हुआ आने वाली पीढ़ियों को यह कार्यक्रम हरियाली का संदेश देने के साथ देशभक्तों के बलिदान की याद दिलाएगी। पौधरोपण सभी का सामाजिक दायित्व है। भविष्य की सुरक्षा के लिए सभी कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल की अपील की।

ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम सिर्फ पर्यावरणीय पहल नहीं, भावनात्मक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी नागरिकों से अभियान में जुड़ने की अपील की। जिला महामंत्री सुशील मिश्र ने भी एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधा रोपित किया। इस पावन अवसर को पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बताया।पूर्व विधायक सुषमा पटेल ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' सिर्फ एक पर्यावरणीय अभियान नहीं, यह भावनात्मक और नैतिक जिम्मेदारी है। हमें न केवल पौधे लगाने हैं, बल्कि उन्हें संरक्षित भी करना है।इस मौके पर भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह, भाजपा महामंत्री सुशील मिश्र, भाजपा नेता विवेक सिंह राजा, डॉ अंजना सिंह, रत्नाकर सिंह, डॉ.प्रदीप तिवारी, अजित सिंह, धर्मेन्द्र यादव, शशि प्रकाश सिंह, श्यामराज सिंह, पूर्व पुलिस अधीक्षक राममोहन सिंह, कृषि वैज्ञानिक रवि गोपाल सिंह, मुन्ना सिंह, राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता बिंद, राहुल पवन, पंकज गुप्ता, सहित आदि लोग रहे।

मौलाना मो.हसन आब्दी ने कर्बला की घटना का किया ज़िक्र

◆ हजरत इमाम हुसैन के कर्बला पहुंचने का ज़िक्र सुनकर अजादारों की आंखे हुई नम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदो की याद मे मोहर्रम के तीसरे दिन अजमेरी मोहल्ला स्थित मुफ्ती अनवार हैदर एडवोकेट के इमामबाड़ा में मजलिस का आयोजन किया गया। मजलिस को खिताब करते हुए आजमगढ़ से आये मौलाना सैय्यद मोहम्मद हसन आब्दी ने कहा कि दो मोहर्रम के दिन ही इमाम हुसैन का काफिला करबला पहुंचा था, जिसमें बुढ़े, बच्चे, औरतें और जवान शामिल थे। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन का मकसद यजीद से जंग करना नहीं था बल्की इस्लाम मजहब का सही संदेश देना था, जो उनके नाना पैगम्बर हजरत मोहम्मद (स.अ) ने दिया था। इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक नए साल की शुरूआत मोहर्रम के महीने से होती है। शिया मुसलमानों और मौला हजरत अली अलैहिस्सलाम के मानने वालो के लिए ये महीना बेहद गम भरा होता है।

जब भी मोहर्रम की बात होती है तो सबसे पहले जिक्र कर्बला का किया जाता है। आज से लगभग साढ़े चौदह सौ साल पहले तारीख-ए-इस्लाम में कर्बला की जंग हुई थी. ये जंग जुल्म के खिलाफ इंसाफ के लिए लड़ी गई थी। इस जंग में पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन और उनके बहत्तर साथी शहीद हो गए थे। इसलिए कहा जाता है हर कर्बला के बाद इस्लाम जिंदा होता है।

मौलाना मो हसन आब्दी ने आगे बताया कि यजीद और यजीद के लश्कर वाले सच्चाई को खत्म करना चाहते थे और हर तरह की बुराई फैलाना चाह रहे थे, लेकिन इमाम हुसैन ने कहा कि उनके रहते उनके नाना का दीन इस्लाम और उनका पैगाम खत्म नहीं होगा। इसी उद्देश के लिए इमाम हुसैन ने करबला में अजीम कुबार्नी दी और इस्लाम को बचा लिया। मजलिस से पहले सोजख्वानी को हैदर काजमी व कैफी मोहम्मदाबादी ने किया। उसके बाद पेशख्वानी मुफ्ती शारिब मेहदी व हुसैन मुस्तफा वजीह ने किया।

◆ मजलिसों में शामिल हुए लोग, रोते हुए इमाम हुसैन के प्रति अर्पित किया अपनी श्रद्धांजलि

ज्ञात हो कि मोहर्रम में विशेष रूप से मजलिसें होती है लोग हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत व बलिदान को याद करते है। शोक मनाने वाले लोग मजलिसों में शामिल होते हैं, रोते हैं, और इमाम हुसैन के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

इस अवसर पर धर्मगुरु मौलाना सै सफदर हुसैन जैदी, मुफ्ती अनवार हैदर, सै मो मुस्तफा, नैय्यर आजम, मौलाना सै मोहसिन, नजमुल हसन नजमी, सै मो हसन नसीम, डॉ अली जौहर आजम, कायम आब्दी, इसरार हुसैन, अनवारूल हसन, नजमुल हसन, अलमदार, अरूश, दानिश अब्बास, हैदर हुसैन, साजन खान सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जॉर्जिया में बजा जौनपुर का डंका, डॉ.रॉबिन सिंह हुए सम्मानित

मिला यंग एम्बेसडर मेडिक्स-2 का अवार्ड

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंग्रेजी में एक कहावत है वर्दी सन ऑफ वर्दी फादर इस बात को जनपद के युवा अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रॉबिन सिंह ने चरितार्थ कर दिया और जॉर्जिया की धरती पर 22 जून को तमाम देशों के चिकित्सकों की उपस्थिति में घुटना प्रत्यारोपण विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किए गए थे, जहां उन्होंने अपने वक्तव्य के दौरान विदेश की धरती पर तमाम देशों से आए चिकित्सकों को अपनी वाणी से मंत्रमुग्ध कर दिया और तीन दिवसीय सम्मेलन के अंतिम दिन विश्व प्रसिद्ध चिकित्सक निखिल जैन के हाथों सम्मानित किए गए यह पहला अवसर है। जब जौनपुर का कोई युवा चिकित्सक विदेश में अस्थि रोग पर वक्तव्य देकर जौनपुर को गौरवान्वित किया।

डॉ.रॉबिन सिंह किसी परिचय के मोहताज नहीं है फिर भी इनका परिचय विश्व रिकॉर्ड धारी ब्लड शुगर जांच के डॉ. हरेंद्र देव सिंह के पुत्र हैं जहां उनके पिताजी हृदय रोग पर बराबर शोध करके नई नई तकनीकी दे रहे हैं वहीं डॉक्टर रॉबिन सिंह अस्थि रोग में अपने अभिनव प्रयोग और निरंतर जटिल से जटिल ऑपरेशन करके लोगों को जीवन दान दे रहे हैं।

जॉर्जिया से अपना वक्तव्य देकर जब अपनी मातृ भूमि के लिए उड़ान भरी तभी उनके शुभचिंतक वाराणसी हवाई अड्डे पर बाहर निकलते ही फूल मालाओं से लाद कर उनका स्वागत किया और जुलूस की शक्ल में जौनपुर तक लाए, जॉर्जिया से आने के बाद डॉ.सिंह के चिकित्सालय कृष्णा ट्रॉमा एंड जॉइंट रिप्लेसमेंट सेंटर पर बधाई देने वालों का ताता लगा हुआ है इस बावत पूछे जाने पर उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने पिता पूर्वांचल के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हरेंद्र देव सिंह सहित जनपद वासियों को दिया।

कोर्ट में पेशी से गैर हाजिर चल रहे तीन वारंटी गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के अलग अलग गांवों से रविवार को विभिन्न मामलों मे वांछित चल रहे तीन वारंटियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया की अब्बोपुर गांव निवासी पलट पुत्र बहादुर वही पाराकमाल गाँव निवासी विक्रम पुत्र झगडू व सम्पत पुत्र झगडू को न्यायालय से कई बार नोटिस के बाद भी हाजिर नहीं हो रहे थे। जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया।गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष रामाश्रय राय के साथ उप निरीक्षक अनिल कुमार पाठक, हेड कॉन्स्टेबल राजकुमार यादव, कांस्टेबल दिनेश यादव, अंकुश सिंह, शुभम त्यागी समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

वर्ग विशेष के युवक ने युवती का फोटो किया सोशल मीडिया पर वायरल, युवती की होने वाली टूटी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल कभी कभी किसी के जीवन मे भारी उथल पुथल मचा देता है। जिसका खामियाजा एक पूरे परिवार को परेशानियों में डाल देता है। कुछ ऐसा ही मामला कोतवाली क्षेत्र के एक गॉव में प्रकाश में आया।जहां एक मनबढ़ वर्ग विशेष के युवक ने एक युवती का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिससे लड़की की शादी टूट गयी जो पांच माह बाद होनी निश्चित हुई थी।अब पीड़िता अपने परिजनों संग कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर देते हुए कार्यवाई की मांग की है। इस सम्बंध में प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने कहा की मामले की जांच की जा रही है।

हजरत इमाम हुसैन की याद में निकाला दो मोहर्रम का जूलूस

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के नई आबादी स्थित अजाखाना वकील अहमद मरहूम पर रात्रि मे दो मोहर्रम की मजलिस मौलाना महमूद साहब पेश इमाम मास्जिद चाँद बीबी ने पढी। तकरीर में मौलाना ने कहा की हमे हजरत इमाम हुसैन के बताये रास्तो पर चलना चाहिये। मजलिस के बाद शबीहे अलम जुल्जना बरामद हुआ लोगो ने जेयारत की नौहा मातम करते हुये जुलूस तहसील गेट, खुटहन तिराहा, सुरापुर तिराहा, मुशीर गली, सेन्ट थामस रोड व चौक होते हुये इमाम बरगाह छंगू मरहूम पर सुबह 4 बजे समाप्त हुआ। बहरुनी अन्जुमन अजादारिया हुसैनाबाद, अब्बासिया सैदपुर, गुन्चये बडागाब, मोईनुल मोमनीन भादी ने पुर्दद नौहा पेश किया। इस मोके पर फिरोज अहमद आलिम हुसैन मुशीर हसन जिशान राजू पुर्व सभासद गुफरान अहमद आदि लोग मुख्य रुप से उपस्थित रहे। जुलूस मे सैकड़ों माहिलाये बच्चे शामिल थे जुलूस समाप्त होने के बाद जुलूस के मिन जानिब शबीह हैदर ने लोगों का शुक्रिया अदा किया। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल मौके पर तैनात रही।

आपका रक्तदान जरूरतमंदों के लिए जीवनदान: डॉ.संदीप मौर्य

रक्तदान सच्चा उपहार है, दूसरों की बचा सकते है जानः डा.पंकज महेश्वरी

◆ कुत्तुपुर के शिवांश ब्लड बैंक पर किया गया रक्तदान शिविर का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा क्षेत्र के कुतुपुर बाजार के पास रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर रक्तदान किया और दूसरो के जीवन को बचाने पर की पहल की।

रक्तदान शिविर शिवांश ब्लड बैंक कुत्तुपुर तिराहा पर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रयागराज मंडल ब्लड डोनेशन चेयरपर्सन डा.पंकज महेश्वरी ने किया। संयोजक डॉ.संदीप मौर्य ने स्वयं रक्तदान करके अन्य लोगों को भी रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। कुल 31 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि डा. पंकज महेश्वरी ने कहा कि इस सत्र में सबसे अधिक रक्तदान शिविर लगाने और लोगों से रक्तदान कराने मे लायन्स क्लब जौनपुर मेन मंडल में प्रथम स्थान पर रहा। उन्होंने कहा- रक्तदान एक सच्चा उपहार है, जिसे आप दूसरों की जरूरतों पर दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि खून एक ऐसी चीज है जिसे बनाया नहीं जा सकता। इसकी आपूर्ति का कोई विकल्प भी नहीं है। एक बार रक्तदान से आप चार लोगों की ज़िन्दगियाँ बचा सकते हैं।डॉ.संदीप मौर्य ने कहा कि किसी का जीवन बचाने के लिए रक्तदान करना जरुरी है। रक्तदान महादान है, इसे जीवनदान के बराबर माना जाता है। रक्तदान न केवल अन्य व्यक्ति के जीवन को बचाता है, बल्कि यह रक्त देने वाले को स्वस्थ बनने में भी मदद करता है।

आपका रक्त जरूरतमंदों को सांसें और उनके परिजनों की खुशियां लौटा सकता है।इस अवसर पर अध्यक्ष सीए राजेश राज गुप्ता, संजय केडिया, सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, डॉ चन्द्रकला मौर्य, दिलीप गुप्ता, योगेश साहू, रंजीत सिंह, रामकुमार साहू, मो सलमान, अनुराग, राकेश कुमार, सूरज, वाहिद, अंकित, सारांश, अभिषेक, अमन, विजय बहादुर, कमलेश, पवन कुमार, परवेज, विकास विवेक, संजय मिथिलेश उपस्थित रहे।

शादी की सालगिरह पर पेड़ लगाकर पर्यावरण संतुलन का दिया संदेश

हर वर्ष की तरह दम्पति ने एक-एक पौधा लगाकर मनाया इस वर्ष भी शादी की सालगिरह

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में लोगों को प्रेरित करने वाला एक प्रेरणादायक उदाहरण क्षेत्र के मजडीहाँ गांव में देखने को मिला, जहां स्वास्थय विभाग में कार्यरत पति-पत्नी ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ को खास बनाने के लिए पेड़ लगाकर पर्यावरण संतुलन का संकल्प लिया।सुरिस गांव निवासी अखिलेश प्रजापति व उनकी पत्नी अमरीका प्रजापति ने अपने विवाह की सालगिरह पर औपचारिक आयोजनों या पार्टी की बजाय आम के एक-एक पौधे का रोपण कर इसे यादगार बना दिया। इस मौके पर दोनों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली और समाज को हर शुभ अवसर पर पौधारोपण करने की प्रेरणा दी। दोनों स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं और वर्तमान में पीएचसी सोंधी में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

अखिलेश प्रजापति ने बताया कि विवाह एक पवित्र बंधन है और जब यह दिवस पर्यावरण के हित में कार्य करके मनाया जाए तो इसका महत्व और बढ़ जाता है। हमने यह संकल्प लिया है कि हर वर्षगांठ पर एक-एक पेड़ अवश्य लगाएंगे। अमरीका प्रजापति ने भी लोगों से अपील की कि वे अपने जीवन के खास पलों को यादगार बनाने के लिए पौधारोपण जैसे सकारात्मक कार्यों को अपनाएं। आज तेजी से घटते वन क्षेत्र और बढ़ते प्रदूषण के बीच हमें अपने भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण देने के लिए आगे आना होगा।

भारी काफिले के साथ ज्ञापन देने जा रहीं डॉ.सरस्वती पाल हाउस अरेस्ट

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद कौशांबी के सैनी कोतवाली क्षेत्र के लौहदा गांव में आठ वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ हुए दुराचार से आक्रोशित लोगों के साथ प्रयागराज ज्ञापन देने जा रही समाजसेवी डॉ सरस्वती पाल को चौबीस घंटे के लिए उनके घर में पुलिस ने नजरबंद कर दिया। उन्होंने मुंगराबादशाहपुर थानाध्यक्ष को अपना ज्ञापन दिया और न्याय दिलाने की मांग की।

बताते चलें कि बीते माह में कौशांबी के सैनी कोतवाली क्षेत्र के लौहदा गांव में 28 मई को 8 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। वहीं पाल समाज की बेटी के साथ हुए दुराचार को लेकर डॉ सरस्वती पाल के साथ सैकड़ों की संख्या में जनपद जौनपुर प्रतापगढ़ और सुल्तानपुर का पाल समाज द्वारा आईजी प्रयागराज को ज्ञापन देने की जानकारी मिली तो प्रशासन ने सरस्वती पाल को उनके ही घर में चौबीस घंटों तक नजरबंद कर दिया गया। लोगों ने बताया कि उक्त पीड़िता को न्याय दिलाने हेतु ज्ञापन देना चाहता था। लेकिन हम सबको रोक दिया गया। ज्ञापन क्षेत्राधिकारी मछलीशहर प्रतिमा वर्मा की अनुपस्थिति में मुंगराबादशाहपुर थानाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह को सौंपा गया और पीड़ित को जल्द से जल्द न्याय दिलाने की मांग की। इस दौरान सैकड़ो की संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

भामाशाह के देश प्रेम से लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिएः दिनेश टंडन

जौनपुर में भामाशाह जयंती पर व्यापार मंडल ने आयोजित किया संगोष्ठी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन की अध्यक्षता में सूत्तहती बाजार स्थित जिला कैंप कार्यालय पर भामाशाह जयंती पर व्यापारी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दिनेश टंडन सभी व्यापारियों का स्वागत करते हुए कहा कि व्यापारियों के प्रेरणा स्रोत भामाशाह की जयंती पर लोगों को भामाशाह के देश प्रेम से प्रेरणा लेनी चाहिए जिन्होंने अपने देश के लिए अपना सर्वश्य न्योछावर कर दिया। नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल एवं प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी ने संयुक्त रूप से कहा कि 29 जून को उत्तर प्रदेश सरकार ने व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में घोषित किया। इसके लिए व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद ज्ञापित करता है। दानवीर भामाशाह जी अपने देश की रक्षा के लिए मेवाड़ के राजा महाराणा प्रताप जी का सहयोग करते हुए अपने संपूर्ण धन का प्रयोग देश हित में दान दे दिया। ऐसे महानायक को देश कभी नहीं भूलेगा उन्होंने महाराणा प्रताप को 25000 सैनिकों का सारा खर्च 12 वर्षों जितना होगा उतने रुपए का दान किया था।प्रदेश मंत्री महेंद्र सोनकर एवं युवा प्रदेश कोषाध्यक्ष संतोष अग्रहरि ने संयुक्त रूप से भामाशाह जयंती की सभी को बधाई देते हुए सभी व्यापारियों को एकजुट रहकर देश हित में कार्य करने के लिए कहा और दानवीर कर्ण से भामाशाह की तुलना किया तथा सभी व्यापारियों को उनके बताए रास्ते पर चलने के का आग्रह किया। संगोष्ठी में जिला महामंत्री रामकुमार साहू, नगर महामंत्री मुन्ना लाल अग्रहरि एवं मनोज कुमार साहू, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार वर्मा, संतोष साहू बच्चा, मधुसूदन बैंकर विजय अग्रहरी, शाहिद मंसूरी, गुलजारी लाल गुप्ता, हफिज शाह, आशीष गुप्ता, डी.के. अग्रहरि, अभिषेक सेठ, आशीष कुमार, विजय राज यादव, ज्ञानेंद्र साहू, अरविन्द जायसवाल आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन नगर महामंत्री मनोज कुमार साहू ने किया सभी व्यापारियों का आभार नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने व्यक्त किया।

निर्भय पटेल ने सपा की सदस्यता लेने के बाद तूफानी सरोज से लिया आशीर्वाद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पूर्व मंत्री वंश नारायण पटेल के पुत्र निर्भय पटेल ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने के बाद निर्भय पटेल ने केराकत विधायक तूफानी सरोज के आवास पर पहुंचकर आशीर्वाद लिया।इस अवसर पर तूफानी सरोज ने निर्भय पटेल का स्वागत करते हुए कहा कि पीडीए की कतार बहुत मजबूत होगी और हम आपके साथ हर कदम खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि निर्भय पटेल के समाजवादी पार्टी में शामिल होने से पार्टी को और मजबूती मिलेगी और क्षेत्र की जनता के लिए बेहतर काम करने मे मदद मिलेगी कहा कि निर्भय पटेल के समाजवादी पार्टी में शामिल होने से पार्टी को एक मजबूत और अनुभवी नेता की प्राप्ति हुई है। तूफानी सरोज ने कहा कि निर्भय पटेल के साथ मिलकर हम क्षेत्र की जनता के लिए बेहतर काम करेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे।निर्भय पटेल ने कहा कि वह समाजवादी पार्टी की नीतियों सिद्धांतों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं वह पार्टी के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा से काम करेंगे कहा विधायक तूफानी सरोज के प्रेरणा से यह अवसर मुझे प्राप्त हुआ है उनके आशीर्वाद से क्षेत्र की जनता की सेवा करने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर सांसद प्रिया सरोज सहित कई वरिष्ठ पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने निर्भय पटेल का पार्टी में स्वागत किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

ठगी की शिकार महिला के आरोपियों का कोई सुराग नहीं लगा सकी पुलिस

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ठगी की शिकार हुई एक महिला के आरोपियों तक पुलिस लगभग एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी पुलिस कोई सुराग नही लगा सकी।जबकि बताया जाता है। ठगी की वारदात के कुछ सीसीटीवी फुटेज भी मौजूद है। बतातें चले की ग्राम गोल्हागौर निवासिनी जिकरा पत्नी रिजवान दिनांक 22 जून को अपने घर से शाहगंज खरीददारी करने आयी थी।पीड़िता के अनुसार अभी वह नगर के कोतवाली चौराहे पर थी। अचानक दो आदमी उसके पास आये और सरकारी अस्पताल का पता पूछे। उसके दोनों आदमियों ने कुछ स्प्रे जैसा उसके चेहरे पर मारे और वह अपना सुध बुध खोकर उन दोनों आदमियों के अनुसार उनके पीछे पीछे जाने लगी। आरोप है कि दोनों व्यक्तियों ने लगभग दस मीटर आगे जाने के उसके हाथ से पर्स ले लिए जिसमे सोने की कान की बाली एक अंगूठी, छह हजार रुपये तथा मोबाइल निकाल लिए।लभगभ आधा घण्टा बीतने के बात जब होश आया और पर्स देखा तो सब कीमती सामान गायब थी। पीड़ित के अनुसार उसने उसी दिन मामले की लिखित सूचना कोतवाली पुलिस को दी और वारदात की सीसीटीवी फुटेज भी है। जिसमे साफ देखा जा सकता है दो आदमी आगे आगे और पीड़िता उनके पीछे चल रही है। इस सम्बंध प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने बताया की अभी कोई गिरफ्तारी नही हुई है, जांच जारी है।

कमरे में मिला युवक का शव, सिर पर पीछे चोट का निशान, घर से पत्नी फरार

डॉ.एस.के.मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के शिवपुर क्षेत्र के नेपाली बाग में स्थित एक मकान में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव पाया गया है। मृतक की पहचान 35 वर्षीय विकास वर्मा के रूप में हुई है, जो बतौर किराएदार वहां रह रहा था। प्रारंभिक सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर शव बरामद किया। पुलिस के अनुसार, विकास की तीसरी पत्नी रिया घटनास्थल से फरार है, जिससे संदेह और गहरा गया है। शव पर बाहरी चोट के कोई विशेष निशान नहीं हैं। लेकिन सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट पाई गई है। यह चोट किसी भारी वस्तु के प्रहार से लगी है या गिरने के कारण, यह अभी जांच का विषय है। घटना की जानकारी मिलते ही डीसीपी वरुणा प्रमोद कुमार, एसीपी कैंट विदुष सक्सेना और शिवपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की बारीकी से जांच की। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है ताकि साक्ष्यों का वैज्ञानिक ढंग से परीक्षण हो सके। पुलिस का कहना है कि रिया की फरारी ने उसे संदेह के घेरे में ला दिया है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और पुलिस विभिन्न कोणों से जांच में जुटी है। यह हत्या है या आत्महत्या, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा। घटना से क्षेत्र में डर का माहौल बना हुआ है।

नवी मुंबई में सामाजिक कार्यकताओं द्वारा वृक्षारोपण

नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज एक्सपोर्ट ग्राउंड रोडपाली, कलंबोली, नवी मुंबई में सामाजिक कार्यकताओं द्वारा वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस कार्य में मुख्य रूप से सहयोग देने वाले विनोद प्रजापति, ज्ञान सिंह, सुजीत गुप्ता, सुजीत प्रजापति, बजाज, सुनील, सोहन यादव, ज्ञानेश्वर सांवले और कई अन्य साथियों ने हिस्सा लिया। वृक्ष हमारे जीवन के साथी हैं। सांसें हो रही हैं कम, आओ वृक्ष लगाएं हम।

विदेह महराज की उपस्थिति में जनभाषा की कविगोष्ठी संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। साहित्यिक,सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था भारतीय जनभाषा प्रचार समिति ठाणे की मासिक काव्यगोष्ठी जगतगुरु स्वामी विदेह महराज की उपस्थिति में शनिवार दिनांक 28 जून 2025 को संपन्न हुई। गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में जगतगुरु स्वामी विदेह महराज,विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार अभिलाज एवं शिक्षक लालबहादुर यादव 'कमल' उपस्थित थे।कविगोष्ठी की अध्यक्षता युवा साहित्यकार पवन तिवारी ने किया।अध्यक्षिय उद्बोधन में पवन तिवारी ने नवांकुर साहित्यकारों को उत्कृष्ट लेखन हेतु पठन-पाठन करने की आवश्यकता पर परामर्श देते हुए कहा कि पुरानी पत्रिका को पढ़े तथा छायावाद,प्रगतीवाद तथा समकालीन कवियों एवं लेखकों को पढ़ने की आवश्यकता है। गोष्ठी का खूबसूरत संचालन संस्था के चेयरमैन वरिष्ठ साहित्यकार रामप्यारे सिंह रघुवंशी ने किया।उपस्थित साहित्यकारों में गीतकार रामस्वरूप साहू, संस्था अध्यक्ष नंदलाल क्षितिज,श्रीधर मिश्र आत्मिक,त्रिलोचन सिंह अरोरा, डॉ शारदा प्रसाद दुबे शरतचन्द्र,मदन गोपाल गुप्ता अकिंचन, ओमप्रकाश सिंह, अनिल कुमार राही, कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप, शिल्पा सोनटक्के, पल्लवी रानी, शिवशंकर मिश्र, अश्विनी वाचलकर, नरसिंह हैरान जौनपुरी, विनय सिंह विनम्र, ?प्रभा शर्मा सागर, रामजीत गुप्ता, उमेश चन्द्र मिश्र प्रभाकर,देवांश शुक्ल, रुद्रमणि मिश्र, ताजमोहम्मद सिद्दीकी,ओमप्रकाश तिवारी, ?डॉ वफा वारसी,सुशील नाचीज,ओमप्रकाश पाण्डेय, प्रोफेसर अंजनी कुमार द्विवेदी, सुशील कुमार सिंह एवं गीतकार कल्पेश यादव प्रमुख रहे। उपस्थित सभी साहित्यकारों ने खूबसूरत काव्यपाठ से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।अंत में संस्था अध्यक्ष क्षितिज एवं चेयरमैन रघुवंशी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए राष्ट्रगान के साथ कविगोष्ठी का समापन किया गया।

बलरामपुर में घायल बछड़ा पहुंचा पत्रकार के घर, कराया गया उपचार

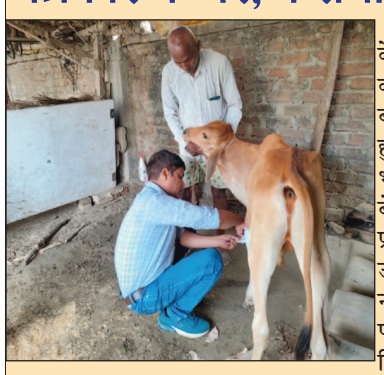

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद बलरामपुर के करमहना गांव में एक घायल बछड़ा कई दिनों से कटा हुआ पैर लिए इधर-उधर भटक रहा था। दर्द और बेबसी में घिरा यह मूक प्राणी आखिरकार उत्तरशक्ति के पत्रकार नानबाबू चौहान के घर पहुंच गया, जहां उसे मदद मिली। बताया गया कि 27 जून को जब नान बाबू चौहान अपने घर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि दरवाजे पर एक बछड़ा खून से लथपथ खड़ा था। घायल अवस्था में बछड़े की स्थिति देखकर उन्होंने तुरंत उसे पानी और चारा दिया, फिर खुद ही प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद बलरामपुर सदर पशु चिकित्सालय से संपर्क कर डॉक्टरों को बुलाया गया। पशु चिकित्सा अधिकारी सुनील कुमार वर्मा और डॉ. अरविंद कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे और बछड़े का इलाज किया। चिकित्सकों ने बछड़े की हालत गंभीर परंतु स्थिर बताई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बछड़े को एक व्यक्ति ने घर से निकाल दिया था क्योंकि गायों को दुग्ध उत्पादन के लिए पाला जाता है, जबकि बछड़ों को अनुपयोगी समझकर छोड़ दिया जाता है। यह स्थिति न केवल पशु क्रूरता को दशार्ती है बल्कि सामाजिक चेतना की कमी को भी उजागर करती है। पत्रकार नान बाबू चौहान ने कहा, यह सिर्फ एक जानवर नहीं, एक जीवन है। हमें मूक प्राणियों के प्रति भी संवेदनशील होना चाहिए। समाज की असली मानवता इसी में है कि वह कमजोर और बेसहारा जीवों के लिए भी खड़ा हो सके।

प्रेस क्लब के मुकदमे को मजबूती से लड़ने का संकल्प

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी पत्रकार संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण मिश्रा पत्रकार हितों को लेकर पूरी तरह सजग और गंभीर दिखे। पत्रकारिता के मौजूदा हालात, पत्रकारों की चुनौतियां और भविष्य की योजनाओं को लेकर वरिष्ठ पत्रकार सुरेश गांधी ने उनसे विस्तार से बातचीत की। बातचीत के दौरान अरुण मिश्रा ने खुले मन से अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं और पत्रकार समाज के लिए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। खास यह है कि संघर्ष और समाधान के संकल्प के साथ अरुण मिश्रा ने पत्रकारों के लिए नई उम्मीद की किरण दिखाई है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों का कल्याण मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम पत्रकार समाज के लिए सिर्फ घोषणा नहीं, ठोस कदम उठाएंगे। अरुण मिश्रा ने कहा कि पत्रकारों के आकस्मिक संकट और बीमारियों के समय सहायता के लिए पत्रकार कल्याण कोष की स्थापना सबसे पहली जिम्मेदारी होगी। उन्होंने कहा, हम हर स्तर पर प्रयास करेंगे कि इस कोष में पर्याप्त धनराशि हो, जिससे पत्रकार साथियों को अधिकतम सहयोग मिल सके। अरुण मिश्रा ने कहा कि जिन पत्रकार साथियों को गंभीर बीमारी है, उनके लिए वे व्यक्तिगत प्रयास कर मुख्यमंत्री विवेकानंद सहायता कोष से सहयोग दिलाने का पूरा प्रयास करेंगे।उन्होंने कहा कि पराड़कर भवन पत्रकार समाज की गरिमा का प्रतीक है। इस भवन के अधूरे कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराया जाएगा और इसके जीर्णोद्धार के लिए नया मैप तैयार कराकर फंड की स्वीकृति हेतु प्रदेश सरकार से प्रयास होंगे। अरुण मिश्रा ने कहा कि पत्रकारों के सामाजिक सुरक्षा के सवाल को लेकर वे प्रदेश सरकार के समक्ष पेंशन, आवास और स्वास्थ्य बीमा की स्थायी व्यवस्था की मजबूत मांग करेंगे।

पदग्रहण समारोह में पत्रकार हितों के लिए एकजुट रहने का लिया संकल्प

सुरेश गांधी

वाराणसी। पत्रकारों की आवाज और अधिकारों की रक्षा के लिए काशी पत्रकार संघ और वाराणसी प्रेस क्लब की नई टीम ने रविवार को पराड़कर स्मृति भवन में पदभार संभाल लिया। पराड़कर स्मृति भवन में सादगी और गरिमा के साथ काशी पत्रकार संघ और वाराणसी प्रेस क्लब के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का पदग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। इस दौरान संघ और क्लब के पदाधिकारियों ने पत्रकार हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया। संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण मिश्रा, महामंत्री जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष डा॰ जयप्रकाश श्रीवास्तव, प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष चन्दन रूपानी, मंत्री विनय शंकर सिंह और कोषाध्यक्ष संदीप गुप्ता ने अपनी-अपनी टीम के साथ पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

साधारण सभा के दौरान सभी सदस्यों ने पत्रकारों पर दर्ज दुर्भावनापूर्ण मुकदमे की कड़ी निन्दा की। संघ ने प्रशासन से मुकदमा तत्काल वापस लेने की मांग की। सदस्यों ने चेताया कि यदि मुकदमा वापस नहीं लिया गया तो संघ चरणबद्ध आंदोलन करेगा। इस दौरान अध्यक्ष अरुण मिश्र ने कहा, पत्रकार कल्याण कोष के गठन को प्राथमिक एजेंडा बनाया जाएगा। इसके अलावा पत्रकार समाज की सुरक्षा व सम्मान के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जाएगा। महामंत्री जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा, मैं पत्रकारों की आवाज को मजबूती से शासन-प्रशासन तक पहुंचाऊंगा। संगठन की एकता मेरी प्राथमिकता होगी। वाराणसी प्रेस क्लब अध्यक्ष चन्दन रूपानी ने कहा, हम सब मिलकर प्रेस क्लब को पत्रकारों के हितों का सशक्त मंच बनाएंगे। पत्रकारों की गरिमा को किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं होने देंगे।

पदभार ग्रहण करते हुए नई कार्यकारिणी ने स्पष्ट किया कि पत्रकारों के कल्याण, अधिकारों की सुरक्षा और प्रेस की स्वतंत्रता के लिए पूरी निष्ठा से कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर संघ के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र नारायण तिवारी, सुनील शुक्ला, पुरुषोत्तम चतुर्वेदी, मंत्री अश्विनी श्रीवास्तव, आलोक मालवीय सहित कार्यसमिति के सदस्य कैलाश यादव, विनय कुमार सिंह, उमेश गुप्ता, सुरेश गांधी, विजय शंकर गुप्ता, छवि किशोर मिश्र, राकेश सिंह, एमडी जावेद, अरुण कुमार सिंह एवं आनन्द कुमार मौर्य ने भी पदभार संभाला। इसके अलावा प्रेस क्लब के अन्य नव निर्वाचित पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष देवकुमार केशरी, संयुक्त मंत्री अभिषेक सिंह, प्रबंध समिति के सदस्य अरविन्द कुमार, संजय गुप्ता, मनोज राय, रौशन जायसवाल और दिनेश सिंह ने भी अपनी जिम्मेदारी ग्रहण की।

इस अवसर पर संघ के पूर्व अध्यक्ष डा. अत्रि भारद्वाज, अखिलेश मिश्र, पंकज त्रिपाठी सहित कई वरिष्ठ पत्रकारों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि नई टीम पत्रकार समाज के विश्वास पर खरा उतरेगी। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार पदमपति शर्मा, आशीष बागची, रजनीश त्रिपाठी, रमेश चंद्र राय, सुरेश प्रताप, जयनारायण मिश्र, योगेश गुप्ता, अजय राय, नागेन्द्र पाठक, शैलेश चौरसिया, केबी रावत, रोहित चतुर्वेदी, संजय सिंह, शंकर चतुर्वेदी, कमलेश चतुर्वेदी, राजेंद्र यादव, नरेंद्र यादव, मोहम्मद अशफाक सिद्दीकी, चेतन स्वरूप आदि भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

काशी की पत्रकारिता एक नये मोड़ पर खड़ी है। पत्रकारों के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती न केवल अपने अधिकारों की रक्षा करने की है, बल्कि अपनी गरिमा को भी बचाए रखने की है। रविवार को पराड़कर स्मृति भवन में जो नजारा दिखा, वह इस बात का संदेश था कि अब पत्रकार बिखरने नहीं वाले। संघ और क्लब की नई टीम ने पदग्रहण के साथ ही पत्रकार कल्याण और सुरक्षा को एजेंडा में शीर्ष पर रखा है। खास बात यह रही कि इस बार केवल औपचारिक शपथ नहीं ली गई, बल्कि मंच से यह ऐलान भी हुआ कि पत्रकार हितों से कोई समझौता नहीं होगा। हाल के दिनों में पत्रकारों पर दर्ज मुकदमे पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर चोट हैं। संघ की स्पष्ट चेतावनी कि हमुकदमा नहीं हटा तो आंदोलन होगाह्न, आने वाले समय में पत्रकार समाज की एक नई गोलबंदी का संकेत है। संघ के कार्यकारिणी सदस्य अब देखना यह है कि यह एकता कितनी मजबूत होती है और क्या पत्रकार हितों की यह आवाज सरकार के कानों तक सही तरीके से पहुंचेगी या फिर संघर्ष की लहर तेज होगी। एक बात तय है कि इस बार पत्रकारों ने चुप रहने का मन नहीं बनाया है। इस दौरान पत्रकारों ने प्रशासन को चेताया कि पत्रकारों की गरिमा और स्वतंत्रता के साथ कोई भी खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एलन बिहार ने ग्रैंड विक्ट्री सेलिब्रेशन का आयोजन किया

पटना (उत्तरशक्ति)। एलन बिहार ने शनिवार को पटना के होटल मौर्या, गांधी मैदान स्थित अशोका हॉल में ग्रैंड विक्ट्री सेलिब्रेशन का आयोजन किया।

इस मौके पर हॉल तालियों और उत्साह से गूंज उठा। छात्र-छात्राओं के चेहरों पर जीत की चमक और मंच पर सम्मान का दृश्य बेहद गौरवपूर्ण रहा। इस भव्य समारोह में नीट 2025 तथा जेइइ मेन्स और एडवांस 2025 की परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले 100 से अधिक भविष्य के डॉक्टरों और इंजीनियरों को सम्मानित किया गया। मंच पर उन्हें मेडल और ट्रॉफी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में दरभंगा जिले के एक छात्र शिव कुमार ने मंच पर बताया कि वह अपने गांव का पहला छात्र है जो डॉक्टर बनने जा रहा है। उसने अपनी सफलता का श्रेय एलन बिहार को दिया और मंच से एलन के शिक्षकों व पूरे संस्थान का आभार व्यक्त किया। उसकी यह कहानी सुनकर पूरे हॉल में तालियों की गूंज और उत्साह का माहौल बन गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एलन के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. विपिन योगी ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा, यह सिर्फ अंकों की जीत नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, परिश्रम और समर्पण की जीत है।

एलन को अपने विद्यार्थियों पर गर्व है। एलन पटना के सेंटर हेड चेतन शर्मा ने कहा कि इन छात्रों ने कठिन परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। उन्होंने छात्रों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर एलन के अध्यापकों ने भी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत और लगन का परिणाम है। एलन बिहार के एडमिन हेड देवेंद्र अवस्थी ने कहा कि एलन की सफलता का राज अच्छी पढ़ाई के साथ सकारात्मक वातावरण और बेहतर सुविधाएँ देना भी है, जिससे वे पूरी निष्ठा और आत्मविश्वास के साथ अपनी तैयारी कर पाते हैं। कार्यक्रम के दौरान सफल छात्रों ने अपनी संघर्ष और सफलता की कहानियां साझा कीं, जिससे माहौल और भी प्रेरक बन गया। अभिभावकों की आंखों में गर्व और खुशी साफ नजर आ रही थी।

आकाशीय बिजली गिरने से 3 लोगों की दर्दनाक मौत

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। बीते सोमवार को गोरखपुर जिले में तेज बारिश के दौरान हो गई और 6 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। ये हादसे जिले के 3 अलग-अलग इलाकों में हुए, जिससे पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। पहली घटना पिपराइच क्षेत्र में हुई। जहां राकेश पासवान, जो पेशे से मैकेनिक थे, बेला गांव के पास पुल के किनारे टहल रहे थे। अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली गिरी और राकेश गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें तुरंत पिपराइच के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रां (CHC) ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दूसरी घटना भी पिपराइच में ही हुई। जहां 45 वर्षीय नवमिनाथ शर्मा पर अचानक बिजली गिर गई। घटना के समय वे बाहर किसी काम से निकले थे। बिजली गिरते ही वे वहीं गिर पड़े। परिजन और ग्रामीण उन्हें फौरन अस्पताल लेकर गए, लेकिन उनकी भी जान नहीं बच सकी। तीसरी घटना चौरीचौरा थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव में हुई। जहां 52 वर्षीय उस्मान अंसारी सुबह अपने किसी काम से बाहर निकले थे, तभी तेज गरज के साथ बिजली गिर गई। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इन घटनाओं में कुल 6 अन्य लोग भी झुलस गए हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है, लेकिन डॉक्टरों की निगरानी में इलाज जारी है। जिला प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को हरसंभव मदद देने का भरोसा दिलाया है। प्रशासन ने स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायलों के इलाज में कोई कोताही ना हो और पीड़ित परिवारों को जल्द से जल्द राहत दी जाए। मौसम विभाग ने आने वाले कुछ दिनों तक भारी बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई है।

गौतम बुद्ध नगर 417 करोड़ के इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर को केंद्र की मंजूरी

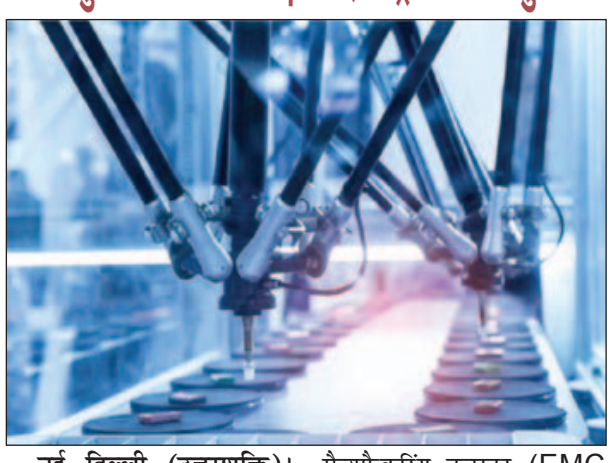

नई दिल्ली (उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार ने स्थानीय निर्माण और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। बुधवार को केंद्र ने उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर में ?417 करोड़ की लागत से एक नया इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (EMC 2.0) स्थापित करने को मंजूरी दे दी।

यह क्लस्टर 200 एकड़ में फैला होगा, जहां ?2,500 करोड़ का निवेश आने की संभावना है। इस परियोजना का विकास यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (YEIDA) द्वारा किया जाएगा।

परियोजना की समीक्षा केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने की। मंत्री वैष्णव ने कहा, ?यह क्लस्टर विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करेगा और लगभग 15,000 रोजगार के अवसर सृजित करेगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' और 'विकसित भारत' के विजन को आगे बढ़ाता है।

EMC 2.0 क्लस्टर में प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर, शेयर्ड फैसिलिटी, स्टैंडर्ड फैक्ट्री शेड, बिजली-पानी, सीवेज ट्रीटमेंट, कौशल विकास केंद्र, हॉस्टल और हेल्थ सेंटर जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इससे टरटए और स्टार्टअप्स को कम लागत में मैन्युफैक्चरिंग शुरू करने का मौका मिलेगा।

मानसून की पहली बारिश से मौसम हुआ सुहाना

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में अब मौसम में बदलाव आ गया है। कल प्रदेश के अलग-अलग जिलों में मानसून की पहली बारिश हुई। जिससे मौसम सुहाना हो गया और लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल गई। वहीं, कई जिलों में बारिश आफत बनकर आई है और बिजली गिरने की वजह से करीब 30 लोगों की मौत होने की जानकारी भी है। इसी बीच मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि आने वाले चार पांच दिनों में बारिश होगी और तेज आंधी-तूफान का भी अलर्ट जारी किया गया है। बता दें कि सहारनपुर जिले में रविवार को हुई मानसून की पहली बारिश जहां एक ओर भीषण गर्मी से राहत दिलाई वहीं दूसरी ओर निचले इलाकों में जलभराव से लोगों को परेशानियों का भी सामना करना पडा। स्मार्ट सिटी सहारनपुर और जनपद के नगर पालिका और टाऊन एरिया अंतर्गत कस्बों में निचले इलाकों में जल निकासी के माकूल प्रबन्ध न होने से जल जमाव से लोगों को दो-चार होने को मजबूर होना पड़ा। कई दिनों की जबरदस्ती गर्मी यानि मौसम 44-45 डिग्री सेल्सियस तक बने रहनेके कारण लोग बेहद परेशान थे। रातों में भी विद्युत आपूर्ति सुचारू न होने से और जलापूर्ति नियमित न होने से लोग बहुत परेशान थे। रविवार सुबह 8 बजेसे पूरे जनपद और आसपास के क्षेत्रों में जमकर मेघा बरसे और सड़कें पानी से लबालब हो गई। नाले और नालियां अतिरिक्त पानी को नहीं ले पाने से सड़कों पर पानी भर गया। लोगों को आवाजाही में भारी असुविधा हुई। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, अगले कुछ दिनों के दौरान तेज और छिटपुट बारिश होने की प्रबल संभावना है। बारिश होने की लोग बड़ी तीव्रता से प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्हें आज इससे काफी राहत मिली। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक इस बारिश से आम और लीची की फसल को लाभ मिलेगा। विभाग के मुताबिक, आज यानी 16 जून को यूपी के 45 से ज्यादा शहरों में आंधी बारिश की संभावना है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ, कानपुर, रायबरेली, अमेठी, प्रयागराज, प्रतापगढ़, चित्रकूट, कौशाम्बी, झांसी, आगरा, मथुरा, नोएडा, गाजियाबाद, अलीगढ़, मेरठ, बागपत, मुरादाबाद, सहारनपुर, बरेली, रामपूर, बदांयू, संभल, इटावा, हाथरथ, और मुजफ्फरनगर में गरज चमक के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चलेंगी।

पटना में स्पिनगो ने शुरू की सेल्फ-ड्राइव कार रेंटल सेवा

पटना (उत्तरशक्ति)। राजधानी पटना के लोगों के लिए स्मार्ट ट्रैवल का नया विकल्प सामने आया है। देश की उभरती हुई ट्रांसपोर्ट स्टार्टअप कंपनी स्पिनगो ने शुक्रवार को पटना में अपनी सेल्फ-ड्राइव कार रेंटल सेवा की शुरूआत कर दी। अब शहरवासी अपनी पसंद की कार को कुछ घंटों, दिनों या हफ्तों के लिए किराए पर लेकर खुद चला सकते हैं वह भी पूरी तरह ड्राइवर-फ्री और झंझट मुक्त तरीके से।

स्पिनगो की यह सेवा उन लोगों के लिए खास है, जो वीकेंड ट्रिप, पारिवारिक कार्यक्रम, ऑफिस मीटिंग या फिर निजी कामों के लिए एक सुविधाजनक, किफायती और आधुनिक परिवहन विकल्प की तलाश में हैं। कंपनी की वेबसाइट www.thespingo.com पर जाकर कार बुक की जा सकती है। संपूर्ण बुकिंग प्रक्रिया ऑनलाइन है। ग्राहक को केवल ड्राइविंग लाइसेंस और एक वैध सरकारी पहचान पत्र अपलोड करना होता है, जिसके बाद वेरिफिकेशन कर तुरंत कार उपलब्ध करा दी जाती है। कंपनी का दावा है कि सभी गाड़ियां बीमित हैं और जीपीएस ट्रैकिंग तथा इमरजेंसी सपोर्ट जैसी सुविधाओं से लैस हैं।

स्पिनगो के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी साकिब नसीम ने इस अवसर पर कहा, हमारा मकसद लोगों को यात्रा की आजादी देना है। पटना में यह सेवा लॉन्च कर हम बेहद उत्साहित हैं। हम चाहते हैं कि लोग अब खुद अपनी शर्तों पर ड्राइव करें, न कि किसी ड्राइवर या टैक्सी पर निर्भर रहें।

मार्केटिंग हेड अनस जकी ने बताया,स्पिनगो सिर्फ एक सुविधा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का अनुभव है। पटना के लोग अब खुद गाड़ी चलाकर अपनी मंज़िल तक पहुँच सकते हैं सरल, सुरक्षित और स्टाइलिश तरीके से।

फिलहाल कंपनी के फ्लीट में कॉम्पैक्ट हैचबैक से लेकर प्रीमियम एसयुवी तक की गाड़ियाँ उपलब्ध हैं। सभी वाहन समय-समय पर सैनिटाइज और मेंटेन किए जाते हैं।

स्पिनगो की सेवाएं 24 घंटे, सातों दिन उपलब्ध हैं। पटना जैसे तेजी से बढ़ते शहर में यह पहल न केवल यात्रियों के लिए राहत भरी साबित होगी, बल्कि आने वाले समय में यह एक नई ट्रैवल संस्कृति की शुरूआत मानी जा रही है।

10 करोड़ से बने सोने के झूले पर विराजेंगे रामलला

अयोध्या (उत्तरशक्ति)। सावन के आगमन के साथ ही रामलला को झुलाने की परंपरा में इस बार सोने के झूले की भव्य झलक श्रद्धालुओं को भाव विभोर करने जा रही है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भूतल पर भव्य स्वरूप में विराजमान रामलला व प्रथम तल पर सीताराम इस सावन में स्वर्ण जड़ित झूले पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। मुंबई के कारीगर पांच-पांच किलो सोने के दो झूले तैयार कर रहे हैं। एक झूले की कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई जा रही है। इन झूलों पर हीरे, माणिक और पन्ना जड़े जा रहे हैं। रामनगरी में सदियों से झूलनोत्सव की परंपरा प्रवाहमान है। सावन शुक्ल तृतीया 29 जुलाई से सावन पूर्णिमा नौ अगस्त तक रामनगरी के हजारों मंदिरों में झूलनोत्सव की धूम होगी। लाखों श्रद्धालु अयोध्या में झूलनोत्सव का दर्शन करने उमड़ेंगे। झूलन उत्सव की परंपरा को इस बार और भव्य रूप में साकार किया जा रहा है। रामलला व सीताराम के भव्य झूला निर्मित कराया जा रहा है। पहली बार राम मंदिर के झूला उत्सव का दूरदर्शन पर लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। एक झूले पर रामलला की उत्सव मूर्ति व दूसरे झूले पर सीताराम की उत्सव मूर्ति सावन मेले में विराजित की जाएगी। रामलला का झूला 26 जुलाई से पहले बनकर अयोध्या आ जाएगा। इसी दिन से यहां झूला उत्सव शुरू होगा। रामलला व सीतराम 29 जुलाई को सोने के झूले पर विराजमान होंगे।